मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 305
सोमवार, 25 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

यूसीसी से वनवासी समाज पर नहीं लगेगी कोई पाबंदी: अमित शाह

नई दिल्ली, 24 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वस्त किया है कि जनजातियों पर यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) से कोई पाबंदी नहीं लगने वाली है। रामलीला मैदान में खचाखच भरे जनजाति सांस्कृतिक समागम में उन्होंने कहा कि एक षड्यंत्र शुरू हुआ है, ये कहा जा रहा है कि यूसीसी जनजातियों को अपनी संस्कृति व परंपराओं के साथ जीने के अधिकार से वंचित करेगा। मैं आज इस मंच से नरेन्द्र मोदी सरकार के वरिष्ठ मंत्री होने के नाते स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यूसीसी की कोई भी पाबंदी वनवासी जगत या वनवासी व्यक्ति पर नहीं लगने वाली है। यूसीसी से वनवासियों के अधिकारों का कोई अतिक्रमण नहीं होगा। दो राज्यों गुजरात और उत्तराखंड में हमने यूसीसी को लागू किया है और हमने विशेष प्रविधान करके यूसीसी से सारी जनजातियों को बाहर रखा है।

जो लोग ये भेद पैदा कर रहे हैं, मैं उनको बता देना चाहता हूं कि यूसीसी से हमारे किसी वनवासी भाई या जनजाति की परंपराओं से खिलवाड़ नहीं होने वाला है। आप सभी ये संदेश लेकर दिल्ली से जाएं और इस बारे में जनजाति समाज को जागरूक करें कि यूसीसी से डरने की जरूरत नहीं है। शाह ने कहा कि हमारे संविधान निमार्ताओं ने सभी को अपने मूल धर्म में सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। लोभ, लालच या जबरन कोई किसी का धर्म परिवर्तन नहीं करवा सकता। जनजाति कुंभ में आज आप सभी ये ठान कर जाएं कि हमारा जो भी धर्म है, हम उसकी रक्षा करेंगे। वनवासी प्रकृति की पूजा करते हैं और यही प्रकृति की पूजा हम सभी को सनातन से जोड़ती है।

धर्म की रक्षा के इस संकल्प को आज दिल्ली से लेकर जाना है। यही हमें देश और हमारी संस्कृति से जोड़कर रखेगा। जो लोग हममें भेद पैदा करना चाहते हैं, उनको मालूम नहीं है कि हजारों साल पहले भगवान राम ने शबरी के जूठे बेर खाकर सभी को बता दिया है कि हम सब एक हैं। भगवान राम ने निषाद राज के पैर धोकर जनजातियों का सम्मान किया था। जो लोग भेद पैदा कर रहे हैं, आज का ये समागम उनके लिए बहुत बड़ा संदेश है। यह जनजाति समागम जनजातियों के महाकुंभ के नाते आने वाले कई वर्षों तक याद किया जाएगा। यह जनजाति की पहचान और जनजातियों को एकत्रित करने, एकजुट करने, जनजाति संस्कृति को सुरक्षित रखने का आंदोलन है। यह भगवान बिरसा मुंडा के जनजाति आंदोलन ऊल गुलान के बाद का सबसे बड़ा जनजातीय आंदोलन है, जो पूरे देश को एक करता है। आज का ये आंदोलन हमें और हमारी परंपरा-संस्कृति व धर्म को बचाकर रखेगा।

आज यहां पर देश के सुदूर इलाकों से परंपरागत वाद्य यंत्रों के साथ गीत गाते और नृत्य करते आप आए हैं तो मैं कहता हूं कि मुझे ऐसा लगता है कि मेरे सामने भगवान बिरसा मुंडा साक्षात उपस्थित हुए हैं। यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की डेढ़ सौवीं जयंती का वर्ष है। ऊल गुलान आंदोलन ने अंग्रेजों को जमीन दिखाने का काम किया था।

उस समय देश में संचार की बेहतर सुविधा न होने के बावजूद भगवान बिरसा मुंडा ने गुजरात से झारखंड तक और पूरे भारत में जनजातियों को ये संदेश पहुंचाया था कि यही हमारा देश है, हमारा धर्म ही सच्चा धर्म है और हमारे जंगलों पर किसी का कब्जा नहीं हो सकता। ये जो जल है, जंगल है पहाड़ी है, ये हमारे वनवासी भाइयों के लिए आस्था का केंद्र है और उनकी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा करने का माध्यम भी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से नक्सल समस्या का समाधान हुआ है। मैं आज गर्व से कह सकता हूं कि आज हमारा देश नक्सल समस्या से पूर्ण रूप से मुक्त हो गया है। जो लोग वनवासी समाज का अधिकार रोक कर बैठे थे, वो समस्या हमने पूर्ण रूप से खत्म कर दी है। अब समय शुरू हो रहा है, जब जनजातीय क्षेत्रों में पहाड़ों में और जंगल में विकास होगा। भाजपा शुरूआत से जनजाति कल्याण को मानती है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से पहले देश में जनजाति कल्याण मंत्रालय नहीं था, उन्होंने यह मंत्रालय बनाया और जनजातियों को सशक्त करने का काम किया। कांग्रेस के समय देश का जनजाति कल्याण का कुल बजट 28 हजार करोड़ था और प्रधानमंत्री ने उसे एक लाख 50 हजार करोड़ तक बढ़ाने का काम किया है।

देश के सर्वोच्च पद पर आजादी के बाद पहली बार संथाल परिवार की द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति बनी हैं। आज उड़ीसा और छत्तीसगढ़ में जनजातीय मुख्यमंत्री हैं और अभी बंगाल में जनजाति बहुल सभी 16 सीटें भाजपा ने जीती हैं।

पाकिस्तान में आतंकियों का कहर: शांति समिति के 4 सदस्यों की निर्मम हत्या

पाकिस्तान, 24 मई। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवादियों ने बड़ा हमला कर दिया।यह हमला ऊे१ं क्र्रें' डॅल्ल जिले की कुलाची तहसील में हुआ, जहां स्थानीय शांति समिति के सदस्यों को निशाना बनाया गया। पुलिस के मुताबिक, भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने घात लगाकर समिति के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावरों ने सिर्फ हमला ही नहीं किया, बल्कि समिति के एक सदस्य का अपहरण भी कर लिया। इसके अलावा आतंकवादी वहां मौजूद अन्य सदस्यों के हथियार भी लूटकर फरार हो गए।

घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवादी हमलों से प्रभावित रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस का कहना है कि आतंकियों की तलाश जारी है और जल्द ही हमलावरों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

चीन अब ताइवानी धार्मिक अनुयायियों को बना रहा निशाना, तीन नागरिकों को हिरासत में लिया

चीन, 24 मई। चीन पर एक बार फिर ताइवानी धार्मिक अनुयायियों को निशाना बनाने के आरोप लगे हैं। ताइवान की अर्ध-आधिकारिक संस्था ने दावा किया है कि इस महीने चीन के फुजियान और ग्वांगडोंग प्रांतों में आई-कुआन ताओ धार्मिक आंदोलन से जुड़े तीन ताइवानी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। ताइवान की स्ट्रेट्स एक्सचेंज फाउंडेशन के महासचिव Luo Wen-jia ने बताया कि इन लोगों को पहले चीन छोड़ने से रोका गया और बाद में अस्पष्ट परिस्थितियों में हिरासत में ले लिया गया। हालांकि यह साफ नहीं किया गया कि वे अभी भी चीन की हिरासत में हैं या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 से अब तक धार्मिक मामलों से जुड़े कम से कम 17 मामलों में 19 ताइवानी नागरिकों को चीन में हिरासत में

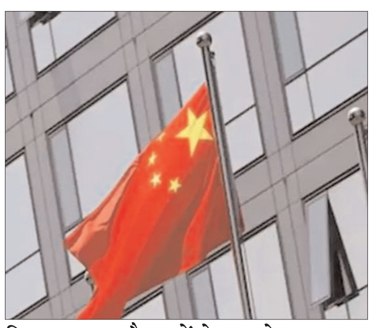

लिया जा चुका है। इनमें से 14 लोग आई-कुआन ताओ आंदोलन से जुड़े थे, जबकि अन्य ईसाई संगठनों और यूनिफिकेशन चर्च से संबंधित बताए गए। ताइवानी अधिकारियों और सामाजिक संगठनों ने पहले भी आई-कुआन ताओ के अनुयायियों को चीन की यात्रा करने से बचने की सलाह दी थी। उनका कहना है कि चीन में धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर हालात लगातार मुश्किल होते जा रहे हैं। लुओ वेन-जिया ने चीन के मार्च में पारित नए एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस कानून पर भी चिंता जताई।

उनका कहना है कि इस कानून के बाद चीन जाने वाले ताइवानी नागरिकों के लिए जोखिम और बढ़ सकता है। ताइवान ने यह भी आरोप लगाया कि चीन ने इन हिरासत मामलों की कोई आधिकारिक जानकारी ताइवान को नहीं दी। दोनों पक्षों के बीच औपचारिक संवाद चैनल पिछले लगभग दस वर्षों से बंद पड़े हैं।Taiwan और चीन के बीच संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को स्वतंत्र लोकतांत्रिक प्रशासन वाला क्षेत्र बताता है।

जीत के साथ अंतिम-4 में पहुंची राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स की उम्मीदों पर फिरा पानी

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव (60) की फिफ्टी के बाद भी मुंबई इंडियंस को लीग स्टेज के अपने आखिरी मैच में हार का सामना करना पड़ा। रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई को 30 रन से मात दी। इसके साथ ही राजस्थान (7वीं बार) प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई है।

राजस्थान के 16 अंक हैं। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 205 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी। राजस्थान की जीत से पंजाब किंग्स की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरूआत खराब रही और टीम ने पावरप्ले में 3 विकेट गंवा दिए। 33 के स्कोर पर टीम को 2 झटके लगे।

चौथे ओवर में यशस्वी जायसवाल (27) और 5वें में वैभव सूर्यवंशी कैच आउट हुए। वैभव सूर्यवंशी आज फीके नजर आए और उन्होंने 6 गेंदों पर 4 रन की धीमी पारी खेली। दीपक चाहर ने वैभव को नमन धीर के हाथों कैच आउट कराया।

इसके बाद मिडिल ऑर्डर ने राजस्थान की पारी को संभाला और छोटी-छोटी पारियां खेलकर राजस्थान के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। ध्रुव जुरैल (38), कप्तान रियान पराग (14), दासुन शनाका (29), डोनोवन फेरेरा (18) और अंत में जोफ्रा आर्चर ने 15 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली।

रवींद्र जडेजा ने शार्दुल ठाकुर के ओवर में मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और वह 11 गेंदों पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए। इस मैच के लिए जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया था।

206 रन चेज करने उतरी मुंबई इंडियंस को पहले ही ओवर में जोफ्रा आर्चर ने झटका दिया। रोहित शर्मा ने खाता खोले बिना ही ध्रुव जुरैल को विकेट के पीछे कैच थमा दिया। इसके साथ ही रोहित ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी बनाया। रोहित आईपीएल में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा डक पर आउट होने वाले बल्लेबाज बन गए।

पहले ओवर में गिरे विकेट का सिलसिला जारी रहा और पावरप्ले में मुंबई ने कुल 4 विकेट खो दिए। तीसरा ओवर करने आए आर्चर ने नमर धीर (6) को बोल्ड किया। रयान रिकल्टन (12) और तिलक वर्मा (3) का भी बल्ला नहीं चला। 4 झटकों के बाद सूर्यकुमार यादव ने विल जैक्स के साथ पारी को संभाला। इस दौरान 8वें ओवर में स्काई को जीवनदान भी मिला।

सूर्या और जैक्स के बीच 5वें विकेट के लिए 38 गेंदों पर 63 रन की साझेदारी हुई। यशराज पुंजा ने जैक्स का विकेट चटकाकर इस साझेदारी को तोड़ा। जैक्स ने 18 गेंदों पर 33 रन बनाए। इसके बाद सूर्या का एक और कैच छूट गया। 2 जीवनदान का स्काई ने पूरा फायदा उठाया और 32 गेंदों पर इस सीजन की दूसरी फिफ्टी जड़ दी।

दूसरे छोर से कप्तान हार्दिक पांड्या तेजी से रन बना रहे थे। 16वें, 17वें और 18वें ओवर में मुंबई को 3 झटके लगे। हार्दिक (34), कार्बिन बॉश (2) और सूर्यकुमार (60) की पारी का अंत हुआ। जोफ्रा आर्चर ने 3 विकेट चटकाए।

भारत-रूस की सैन्य दोस्ती हुई और मजबूत, रक्षा सहयोग पर हुई हाई लेवल वार्ता

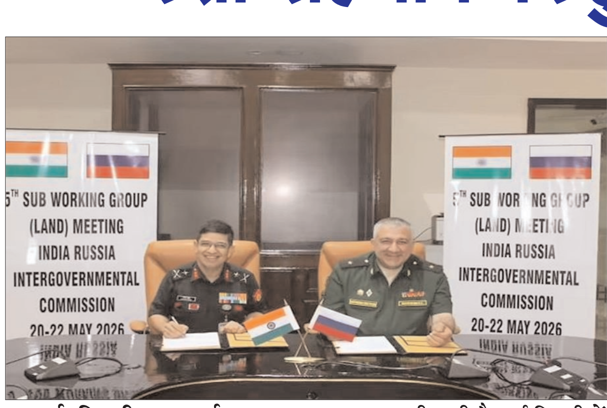

नई दिल्ली, 24 मई। भारत और रूस ने एक बार फिर अपनी मजबूत रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए सैन्य सहयोग पर अहम बातचीत की है। नई दिल्ली में भारत-रूस इंटर-गवर्नमेंटल कमीशन के तहत 5वीं सब वर्किंग ग्रुप (लैंड) बैठक आयोजित की गई, जिसमें भारतीय सेना और रूसी लैंड फोर्सेस के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। भारतीय सेना ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी तालमेल, सैन्य क्षमता और ऑपरेशनल सहयोग को और मजबूत करना था। बातचीत के दौरान संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक और भविष्य की रक्षा जरूरतों पर विस्तार से चर्चा हुई।

जयशंकर का अमेरिका को दो टूक, आतंकवाद पर'जीरो-टॉलरेंस'

नई दिल्ली, 24 मई। दिल्ली में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मिडिल ईस्ट के देशों के साथ भारत के रिश्तों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, भारत दुनिया के उन बहुत कम देशों में से एक है जिसके अमेरिका, इजरायल, ईरान और खाड़ी देशों के साथ एक साथ बहुत अच्छे और मजबूत संबंध हैं। इसलिए, उस इलाके में हमारा सीधा हित जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के सामने चुनौती यह है कि इन सभी

रिश्तों को एक साथ कैसे बनाए रखा जाए और अपने हितों की रक्षा कैसे की जाए। भारत इसे किसी ऐसे खेल की तरह नहीं देखता जिसमें एक का फायदा कराने के लिए दूसरे का नुकसान करना पड़े।

विदेश मंत्री ने अपने बयान में उन मुख्य बातों का जिक्र किया जिनके आधार पर भारत इस क्षेत्र में अपना नजरिया तय करता है। विदेश मंत्री ने बताया, 'भारत इस पूरे इलाके में हमेशा शांति और स्थिरता देखना चाहता है। खाड़ी देशों में रहने वाले लाखों भारतीय नागरिकों की भलाई और सुरक्षा भारत के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।'

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

तकनीकी क्रांति और लोकतांत्रिक चुनौती के बीच जनगणना

भारत वर्ष 2027 में अपनी पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना कराने जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की शासन व्यवस्था, विकास नीति और लोकतांत्रिक ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। जिस प्रकार स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने नवगठित राष्ट्र को अपनी जनसंख्या, संसाधनों और सामाजिक संरचना को समझने का आधार दिया था, उसी प्रकार 2027 की डिजिटल जनगणना भारत को डेटा-आधारित शासन के नए युग में प्रवेश कराने वाली है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन, सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल, क्लाउड-आधारित रियल-टाइम डेटा अपलोड, जियो-टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। उसके बाद कोविड-19 महामारी सहित कई कारणों से 2021 की जनगणना टलती चली गई। परिणामस्वरूप देश को लगभग 14 वर्षों तक पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा। इस दौरान भारत में शहरीकरण, प्रवासन, रोजगार संरचना, डिजिटल उपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या वितरण में भारी परिवर्तन हुए हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं होगी, बल्कि यह आधुनिक भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी। विशेष बात यह है कि यह पहली बार होगा जब भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इतनी बड़ी जनगणना डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी। डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और दक्षता में दिखाई देता है। पारंपरिक कागजी जनगणना में डेटा एकत्र करने, उसकी जांच करने, कोडिंग, प्रविष्टि और विश्लेषण में दो वर्ष या उससे अधिक समय लग जाता था। लेकिन डिजिटल प्रणाली में डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा, जहां स्वचालित सत्यापन और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे प्रारंभिक परिणाम दस दिनों के भीतर और अंतिम विस्तृत रिपोर्ट छह से नौ महीनों में उपलब्ध हो सकती है। यह बदलाव केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की गति और सटीकता को भी कई गुना बढ़ा सकता है। यदि सरकार के पास समय पर विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, तो रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवास और शहरी नियोजन जैसी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा। डिजिटल प्रणाली में त्रुटियों को कम करने की भी व्यापक संभावना है। मोबाइल एप्लिकेशन में प्री-कोडेड विकल्प, ऑटो-फिल, रियल-टाइम वैलिडेशन और जियो-कोडिंग जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गलत प्रविष्टियों की संभावना कम होगी। प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट भौगोलिक निर्देशांक से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल भवनों की सही गणना संभव होगी बल्कि विकास योजनाओं के लिए स्थान-आधारित विश्लेषण भी आसान होगा। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में स्कूलों, अस्पतालों या जलस्रोतों की उपलब्धता का विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सरकार को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है और कहां निवेश की आवश्यकता अधिक है।

डिजिटल जनगणना का एक और महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है। नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे और उसे सत्यापित कर सकेंगे। इससे सरकारी आंकड़ों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ सकता है। डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर प्रगति की निगरानी भी संभव होगी। यह प्रणाली प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकती है और डेटा संग्रह की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है। यदि इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया, तो भारत दुनिया के लिए डिजिटल प्रशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। हालांकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भारत का डिजिटल विभाजन है। आज भी देश के करोड़ों लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच नहीं रखते। ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर या अनुपलब्ध है। यदि जनगणना का अत्यधिक निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर रही, तो समाज के सबसे गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्ग जनगणना से बाहर छूट सकते हैं। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या बन सकती है।

भारत में डिजिटल साक्षरता भी एक बड़ी चुनौती है। बुजुर्ग, अशिक्षित लोग, ग्रामीण महिलाएं और प्रवासी मजदूर अक्सर स्मार्टफोन एप्लिकेशन या ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करने में सहज नहीं होते। यदि केवल तकनीक के भरोसे डेटा संग्रह किया गया, तो गलत जानकारी, अधूरी प्रविष्टियां और अंडरकाउंटिंग की संभावना बढ़ जाती है। अफ्रीकी देशों में डिजिटल जनगणना के कुछ प्रयोगों में यह देखा गया था कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में त्रुटियों की दर काफी अधिक रही। भारत में यह चुनौती और भी जटिल हो सकती है क्योंकि यहां भाषाई, सामाजिक और आर्थिक विविधता अत्यंत व्यापक है। इसलिए केवल डिजिटलीकरण होना पर्याप्त नहीं होगा; यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रणाली सभी के लिए समावेशी और उपयोगकर्ता-अनुकूल भी हो।

इसी कारण ऑफलाइन-फर्स्ट मॉडल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जनगणना एप्लिकेशन ऐसे होने चाहिए जो इंटरनेट न होने पर भी डेटा संग्रह कर सकें और बाद में नेटवर्क उपलब्ध होने पर सर्वर से सिंक्रोनाइज हो जाएं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध डेटा संग्रह संभव हो सकेगा। साथ ही, स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और वॉयस-आधारित सहायता प्रणाली भी विकसित करनी होगी ताकि कम शिक्षित लोग भी इस प्रक्रिया में सहज रूप से भाग ले सकें। डिजिटल जनगणना के सामने दूसरी बड़ी चुनौती प्रवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र के लोगों की सही गणना है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश ने देखा कि करोड़ों प्रवासी मजदूरों का विश्वसनीय डेटा उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी कठिनाइयां सामने आईं। भारत में बड़ी संख्या में लोग अस्थायी रूप से शहरों में काम करते हैं और अक्सर स्थायी पते से दूर रहते हैं। यदि जनगणना के दौरान वे अपने गांव या मूल निवास स्थान पर नहीं होंगे, तो उनकी गणना छूट सकती है। यही समस्या बेघर लोगों, फुटपाथ निवासियों और अनौपचारिक बस्तियों में रहने वाले लोगों के साथ भी हो सकती है। इसलिए, डिजिटल प्रणाली को इतनी लचीली बनाना होगा कि गतिशील आबादी का सटीक आकलन किया जा सके।

जाति आधारित आंकड़ों का प्रश्न भी अत्यंत संवेदनशील और जटिल है। भारत में हजारों जातियां और उप-जातियां हैं, जिनके नाम और सामाजिक पहचान क्षेत्र के अनुसार बदलते रहते हैं। यदि डिजिटल कोडिंग प्रणाली में मानकीकरण की कमी रही, तो गलत वर्गीकरण और डेटा असंगतता की समस्या पैदा हो सकती है। जातिगत आंकड़ों का सीधा संबंध सामाजिक न्याय, आरक्षण नीति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि गंभीर विवाद का कारण बन सकती है। सरकार को इस विषय में अत्यधिक सावधानी, विशेषज्ञता और पारदर्शिता की आवश्यकता होगी। एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है एन्यूमरेटरों का प्रशिक्षण। अनुमान है कि लगभग 30 लाख से अधिक गणनाकर्मियों की आवश्यकता होगी, जिनमें बड़ी संख्या स्कूल शिक्षकों की होगी। इन सभी को डिजिटल उपकरणों, एप्लिकेशन संचालन, डेटा वैलिडेशन, साइबर सुरक्षा, नैतिकता और गोपनीयता के बारे में व्यापक प्रशिक्षण देना होगा। यदि प्रशिक्षण अपर्याप्त रहा, तो तकनीकी त्रुटियां और डेटा की गुणवत्ता में गिरावट आ सकती है। कई बार तकनीक की विफलता मशीन से नहीं, बल्कि उसके उपयोगकर्ता की अपर्याप्त समझ से होती है। इसलिए मानव संसाधन का सुदृढ़ प्रशिक्षण इस पूरी परियोजना की सफलता की कुंजी होगा। साइबर सुरक्षा और गोपनीयता भी चिंताएं भी अत्यंत गंभीर हैं। जनगणना में नागरिकों की निजी जानकारी जैसे परिवार संरचना, शिक्षा, रोजगार, प्रवास इतिहास और संभवतः जातिगत विवरण एकत्र किए जाएंगे। यदि यह डेटा साइबर हमलों, डेटा चोरी या राजनीतिक दुरुपयोग का शिकार हुआ, तो जनता का भरोसा गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। विशेष रूप से चुनावी संदर्भ में डेटा के राजनीतिक उपयोग या दुरुपयोग की आशंकाएं भी बनी रहेंगी। इसलिए सरकार को डेटा एन्क्रिप्शन, सुरक्षित सर्वर, एक्सेस कंट्रोल और स्वतंत्र डेटा सुरक्षा ऑडिट जैसी मजबूत व्यवस्थाएं लागू करनी होंगी। साथ ही, नागरिकों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनका डेटा केवल सांख्यिकीय और नीतिगत उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह जनगणना अत्यंत संवेदनशील होगी। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर भविष्य में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन हो सकता है। उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर के अंतर के कारण संसदीय सीटों के पुनर्वितरण का प्रश्न राजनीतिक बहस का विषय बन सकता है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अपेक्षाकृत अधिक बढ़ी है, तो उसे अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इससे संघीय संतुलन और राजनीतिक शक्ति वितरण पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए जनगणना की प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना आवश्यक होगा। - डॉ. सत्यवान सौरभ

गंगा दशहरा : मोक्ष की धारा व संस्कृति की सांसें हैं मां गंगा

-सुरेश गांधी

गंगे तव दर्शनात मुक्तिः अर्थात गंगा के दर्शन मात्र से मुक्ति प्राप्त होती है। यह केवल शास्त्रों का वाक्य नहीं, बल्कि भारतीय जनमानस की सदियों पुरानी आस्था का सार है। भारत की सांस्कृतिक चेतना में यदि कोई धारा निरंतर बहती रही है, तो वह गंगा है। वह केवल हिमालय से निकलने वाली एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता का प्राणतत्व, संस्कृति की आत्मा और करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। उसकी लहरों में इतिहास बोलता है, घाटों पर परंपराएं सांस लेती हैं और उसकी धारा में भारतीयता का दर्शन प्रवाहित होता है। गंगा दशहरा उसी दिव्य क्षण का उत्सव है, जब स्वर्ग से पृथ्वी पर मां गंगा का अवतरण हुआ था। यह केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानवता के उद्धार, प्रकृति के सम्मान और आत्मिक शुद्धि का उत्सव है। यह दिन हमें बताता है कि गंगा केवल पूजा का विषय नहीं, संरक्षण का भी विषय है। है। स्कंद पुराण के अनुसार

ज्येष्ठे मासि सिते पक्षे प्राप्य प्रतिपदं तिथिम।

दशाश्वमेधिके स्नात्वा मुच्यते जन्मपातकैः।।

ज्येष्ठे शुक्लद्वितीयायां स्नात्वा रुद्रसरोवरे।

जन्मद्वयकृतं पापं तत्क्षणादेव नश्यति।।

अर्थात ज्येष्ठ मास के शुक्लपक्ष की प्रतिपदा को इस दशाश्वमेधतीर्थ में स्नान करने से जन्म भर के संचित पाप दूर हो जाते हैं और उसी जेठ सुदी द्वितीया को इस रुद्रसरोवर तीर्थ में स्नान करने से दो जन्म के संचित पापों से तुरंत छुट्टी मिल जाती है।

भागीरथ तपस्या और गंगा अवतरण की अमर कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार सूर्यवंशी राजा सगर के 60 हजार पुत्र महर्षि कपिल के श्राप से भस्म हो गए थे। उनके उद्धार के लिए पीढ़ियों तक तपस्या होती रही। अंततः राजा भगीरथ ने कठोर तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने गंगा को पृथ्वी पर भेजने की सहमति दी, लेकिन समस्या यह थी कि गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसका भार सह नहीं सकती थी। तब भगवान शिव ने अपनी विशाल जटाओं में गंगा को धारण किया और धीरे-धीरे उसे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। इसी कारण शिव को ॡगंगाधरॡ कहा जाता है और गंगा के पृथ्वी पर प्रथम स्पर्श का दिन ॡगंगा दशहराॡ कहलाया। गंगा की यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि महान उपलब्धियां त्याग, तपस्या और धैर्य से प्राप्त होती हैं।

तिथि और शुभ संयोग

वैदिक पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 25 मई 2026 को प्रातः 4:28 बजे आरंभ होगी और 26 मई को प्रातः 5:11 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर गंगा दशहरा सोमवार, 25 मई 2026 को मनाया जाएगा। इस वर्ष पर्व कई विशेष ज्योतिषीय संयोग लेकर आया है। दोपहर 3:44 बजे सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसके साथ नौतपा की शुरूआत होगी। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार सूर्य का यह गोचर विशेष रूप से वृषभ, मिथुन, सिंह और धनु राशि के लिए शुभ माना जा रहा है। हालांकि ज्योतिषीय फलादेश आस्था और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित होते हैं और इन्हें निश्चित भविष्यवाणी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

हिमालय की गोद से निकलकर मैदानों के हृदय को स्पर्श करती हुई जब गंगा बहती है, तो वह केवल जल नहीं बहाती, वह अपने साथ हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति, इतिहास और भावनाओं को भी प्रवाहित करती चलती है। भारत में नदियां केवल भौगोलिक संरचना नहीं हैं, वे जीवन की वाहक, संस्कृति की संरक्षिका और आस्था की आधारशिला हैं। इनमें भी मां गंगा का स्थान सर्वोच्च है। गंगा भारतीय जनमानस में एक नदी नहीं, बल्कि मां के रूप में पूजित हैं। उनकी लहरों में मोक्ष की कामना है, घाटों पर अध्यात्म की अनुभूति है और जल की हर बूंद में जीवन का संदेश छिपा है। गंगा दशहरा उसी दिव्य क्षण की स्मृति है, जब राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर मां गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। यह केवल धार्मिक आस्था का उत्सव नहीं, बल्कि मनुष्य और प्रकृति के बीच उस पवित्र संबंध का प्रतीक भी है, जो हमें संवेदनशीलता, करुणा और संरक्षण की सीख देता है। गंगा के प्रति श्रद्धा केवल दीपदान या स्नान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनकी निर्मलता और अविरलता की रक्षा भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। क्योंकि यदि गंगा बहती रहेंगी, तभी संस्कृति सांस लेती रहेगी, और यदि संस्कृति जीवित रहेगी, तभी भारत अपनी आत्मा के साथ खड़ा रहेगा

इन राशियों को होगा लाभ

25 मई को गंगा दशहरा पर दोपहर 03: 44 पर सूर्य रोहिणी नक्षत्र में गोचर करेंगे, जिसके बाद नौतपा भी शुरू हो जाएगा. सूर्य का इस नक्षत्र में आना 4 राशियों के लिए लाभकारी होगा. खास यह है कि गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर ग्रहों के राजा सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन होने वाला है. ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, गंगा दशहरा पर सूर्य चंद्रमा के स्वामित्व वाले नक्षत्र रोहिणी में गोचर करेंगे. और 8 जून तक इसी नक्षत्र में रहेंगे. यह गोचर सभी के राशियों में बदलाव लाएगा, लेकिन वृषभ, मिथुन, सिंह समेत चार राशियों के लिए सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में आना लाभकारी हो सकता है. वृषभ राशि- सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में गोचर वृषभ राशि वालों के लिए करियर क्षेत्र में तरक्की के मार्ग खोलने वाला साबित होगा. इस समय आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी और सेहत-संबंधों में सुधार होगा. इस दौरान पुराने निवेश से भी लाभ मिल सकता है. मिथुन राशि- गंगा दशहरा पर सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन का लाभ मिथुन राशि वाले जातकों को भी मिलेगा. मां गंगा के आशीर्वाद से करियर के नए द्वार खुलेंगे और उनकी मेहनत का फल मिलने का समय शुरू होगा. व्यापार में भी अच्छी उन्नति होगी, जिससे उन्हें मानसिक रूप से शांति मिलेगी. सिंह राशि- सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है. लंबे समय से रुका प्रमोशन या सैलरी बढ़ने की उम्मीद लगाए लोगों की मुराद पूरी हो सकती है. आमदनी के नए रास्ते खुलने से बैंक बैलेंस बढ़ेगा और मानसिक तनाव व दबाव हमेशा के लिए विदा हो जाएंगे. धनु राशि- गंगा दशहरा पर होने वाला सूर्य नक्षत्र परिवर्तन धनु राशि वालों की परेशानियों को कम करने वाला साबित होगा. आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है. इस समय यात्रा के योग भी बन सकते हैं.

दशहरा : दस पापों का नाश

दशहरा शब्द संस्कृत के दश और हरा से बना है अर्थात – दस पापों का हरण करने वाला। शास्त्रों के अनुसार मनुष्य के दस प्रमुख पाप माने गए हैं :– कायिक पाप, हिंसा, चोरी, परस्त्रीगमन, वाचिक पाप, झूठ, कटु वचन,चुगली, असत्य प्रचार, मानसिक पाप, : काम, क्रोध, लोभ. मान्यता है कि गंगा दशहरा पर श्रद्धा पूर्वक स्नान, दान और पूजन से इन पापों से मुक्ति प्राप्त होती है।

गंगा : धर्म ही नहीं, पर्यावरण चेतना की भी धारा

आज गंगा के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती बाहरी नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार है। करोड़ों लोग गंगा को मां कहते हैं, लेकिन वही गंगा प्लास्टिक, रासायनिक अपशिष्ट और सीवेज प्रदूषण की मार भी झेल रही है। विडंबना यह है कि जिस नदी को हम मोक्षदायिनी कहते हैं, उसी को प्रदूषण से मुक्त रखने में अक्सर पीछे रह जाते हैं। गंगा दशहरा का वास्तविक अर्थ केवल दीप प्रवाहित करना नहीं, बल्कि यह संकल्प लेना भी है :– गंगा को पूजेंगे ही नहीं, संरक्षित भी करेंगे। गंगा में प्लास्टिक नहीं डालेंगे. जल का अनावश्यक दुरुपयोग नहीं करेंगे. नदियों के प्राकृतिक प्रवाह का सम्मान करेंगे. पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली बनाएंगे. गंगा की स्वच्छता ही वास्तविक गंगा भक्ति है।

गंगा स्नान, दान और पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान करना, सूर्य को अर्घ्य देना, दीपदान करना, अन्न, वस्त्र और जल का दान करना, गंगा मंत्रों का जप करना विशेष पुण्यदायी माना गया है।

प्रचलित मंत्र–

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं भगवती गंगे नमो नमः

₹ॐ नमः शिवाय नारायणाय दशहरायै गंगायै नमः

मान्यता है कि निष्कपट भाव से मां गंगा का स्मरण भी आत्मिक शांति प्रदान करता है।

मीडिया : हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं

-तनवीर जाफरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा ₹प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलाया गया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया। ?

परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय 'गोदी मीडिया' ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। 'गोदी मीडिया' ने महिला पत्रकार के इस तरीके को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीति₹ करार दिया। वहीँ भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे 'सच्ची पत्रकारिता' का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आजादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन 'गोदी पत्रकारों' पर तंज कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की खुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं।

दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। अपने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं बताया था कि वे पुरानी परिपाटी जहाँ नेता मीडिया के माध्यम से अपनी बात प्रसारित करते थे, के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर काम करने और नई कार्य संस्कृति स्थापित करने पर विश्वास रखते हैं। मन की बात,सार्वजनिक रैलियां,चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख,किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा आदि के माध्यम से जनता से इकतरफा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीका है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय-समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे।

सच तो यह है कि मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते मीडिया से जुड़े उनके कुछ ऐसे 'कटु अनुभव' रहे हैं जिसके चलते वे अब पुनः 'साहसी ' पत्रकारों से रूबरू होकर पुनः अपनी वैसी फजीहत नहीं कराना चाहते। याद कीजिये अक्टूबर 2007 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे,उस समय वरिष्ठ पत्रकार करण थापर ने सी एन एन-आई बी एन के प्रसिद्ध शो 'डेविल्स एडवोकेट' के लिए अहमदाबाद में मोदी का इंटरव्यू लिया था। करण थापर ने मोदी से अपने पहले सवाल में ही 2002 के गुजरात दंगों को लेकर पूछा कि 'दंगों के पांच साल बाद भी उनकी छवि एक 'क्रूर शासक' की बनी हुई है, इसे सुधारने के लिए उन्होंने क्या किया'? जब मोदी ने कहा कि जनता उन्हें अच्छे से जानती है, तो थापर ने अगला सवाल किया कि ₹आप यह क्यों नहीं कह देते कि आपको दंगों में मारे गए लोगों का दुख या पछतावा है? क्या सरकार को मुसलमानों की सुरक्षा के लिए और कदम नहीं उठाने चाहिए थे?₹ इस सवाल पर मोदी पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने कहा कि जो मुझे कहना था, मैं उस समय कह चुका हूँ। परन्तु जब थापर ने बार-बार उसी सवाल को दोहराया, तो मोदी ने इंटरव्यू आगे बढ़ाने से मना कर दिया। 3- 4 मिनट के भीतर ही मोदी ने पानी पीने का बहाना कर अपने कुर्ते पर लगा माइक निकाला और उसे टेबल पर रख दिया। फिर उन्होंने बहुत ही शालीनता से थापर से कहा–दोस्ती बनी रहे। आप यहाँ आए, इसके लिए धन्यवाद।₹ इसके बाद वे कैमरे के सामने से उठकर चले गए।

ऐसी ही दूसरी घटना वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान की है। उस समय वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी एन डी टी वी के लिए 'चक्रव्यूह' नामक एक शो करते थे। उन्होंने मोदी का इंटरव्यू चुनावी रैली पर जाते समय हेलीकॉप्टर यात्रा के दौरान लिया। त्रिवेदी ने भी मोदी से पूछा कि क्या गुजरात दंगों के लिए भाजपा या उन्हें (मोदी को) माफी मांगनी चाहिए? मोदी ने इस पर कहा कि वे इस विषय पर कई इंटरव्यू में पहले ही बोल चुके हैं। लेकिन जब त्रिवेदी ने लगातार इस सवाल पर दबाव बनाया, तो मोदी का मूड बदल गया। बाद मोदी ने गुस्से में आकर सवालों के जवाब देना पूरी तरह बंद कर दिया और चुप हो गए। मोदी ने अपना ही हाथ आगे बढ़ाकर कैमरे के लेंस को बंद करवा दिया। इसके बाद का पूरा सफर दोनों ने बिना एक-दूसरे से बात किए और खिड़की से बाहर देखते हुए बिताया। हेलीकॉप्टर के उतरते ही मोदी ने विजय त्रिवेदी से कहा–₹विजय भाई, यह हमारी आखिरी मुलाकात है। इसके बाद मोदी अपनी जनसभा को संबोधित करने चले गए। जबकि विजय त्रिवेदी और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से नीचे उतार दिया गया। बाद में त्रिवेदी को संदेश मिला कि मोदी हेलीकॉप्टर लेकर वापस जा चुके हैं। त्रिवेदी और उनकी टीम को वापस लौटने के लिए वहाँ कोई गाड़ी नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें एक ट्रैक्टर और फिर लोकल बस के द्वारा करीब 8 घंटे की यात्रा कर अपने गंतव्य तक वापस लौटना पड़ा था। यह घटनायें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफी हैं कि मोदी स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया से संवाद क्यों नहीं करते। वे वास्तविक व निष्पक्ष पत्रकारों के इस सिद्धांत को बखूबी जानते हैं कि 'न स्याही के हैं दुश्मन न सफेदी के हैं दोस्त।

गंगा दशहरा : श्रद्धा, शुद्धि और सनातन परंपरागंगा

- महेन्द्र तिवारी

भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन माँ गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। भारत में गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि जीवन, आस्था, मोक्ष और संस्कृति की धारा मानी जाती है। करोड़ों लोगों की श्रद्धा गंगा से जुड़ी हुई है। भारतीय सभ्यता का विकास गंगा के तटों पर हुआ और आज भी गंगा भारतीय जनजीवन की आत्मा मानी जाती है। गंगा दशहरा का पर्व मनुष्य को केवल धार्मिक आस्था से नहीं जोड़ता बल्कि प्रकृति, जल और संस्कृति के महत्व का भी स्मरण कराता है।

अयोध्या के राजा सगर सूर्यवंश (इक्ष्वाकु वंश) के एक अत्यंत प्रतापी और शक्तिशाली चक्रवर्ती सम्राट थे। वे भगवान श्रीराम के पूर्वज थे। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार अयोध्या के राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ कराया था। उस यज्ञ का घोड़ा इंद्र के भय के कारण कपिल मुनि के आश्रम में पहुंच गया। राजा सगर के 60000 पुत्र घोड़े की खोज करते हुए वहाँ पहुंचे और उन्होंने कपिल मुनि पर चोरी का आरोप लगा दिया। उनके अपमान से क्रोधित होकर कपिल मुनि ने अपने तपोबल से सभी पुत्रों को भस्म कर दिया। उन आत्माओं की मुक्ति तभी संभव थी जब स्वर्ग से गंगा पृथ्वी पर आकर उनके अस्थि अवशेषों को स्पर्श करती। कई पीढ़ियों तक प्रयास चलता रहा, अंततः राजा भगीरथ ने कठोर तपस्या करके ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया। ब्रह्मा जी ने गंगा को पृथ्वी पर जाने की अनुमति दी लेकिन गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसे सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को धारण किया और धीरे-धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। इसी घटना की स्मृति में गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है।

गंगा दशहरा का धार्मिक महत्व अत्यंत व्यापक है। यह माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के 10 प्रकार के पापों का नाश होता है। दशमी तिथि होने के कारण इसे दशहरा कहा जाता है। धर्मग्रंथों में बताया गया है कि मनुष्य के 10 प्रकार के पाप होते हैं जिनमें 3 शरीर से, 4 वाणी से और 3 मन से किए जाते हैं। गंगा स्नान और पूजा से इन पापों से मुक्ति मिलती है। यही कारण है कि इस दिन लाखों श्रद्धालु हरिद्वार, वाराणसी, प्रयागराज, ऋषिकेश और गंगासागर जैसे तीर्थ स्थलों पर एकत्र होते हैं।

गंगा भारतीय समाज में केवल धार्मिक प्रतीक नहीं है बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन की आधारशिला भी है। गंगा नदी लगभग 2525 किलोमीटर लंबी है और उत्तराखंड के गोमुख से निकलकर बंगाल की खाड़ी में मिलती है। इसका विशाल क्षेत्र भारत और बांग्लादेश के करोड़ों लोगों को जल प्रदान करता है। खेती, पेयजल, व्यापार और आजीविका का बड़ा हिस्सा गंगा पर निर्भर है। उत्तर भारत की उपजाऊ भूमि गंगा की देन मानी जाती है। गंगा के किनारे बसे नगरों ने भारतीय संस्कृति, साहित्य, संगीत और अध्यात्म को समृद्ध किया है।

गंगा दशहरा के अवसर पर विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं। लोग प्रातःकाल गंगा स्नान करते हैं और सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बाद माँ गंगा की आरती, दीपदान और मंत्रोच्चार किया जाता है। श्रद्धालु फूल, दूध, अक्षत और प्रसाद अर्पित करते हैं। कई स्थानों पर भंडारे और दान पुण्य का आयोजन होता है। जल से भरे कलश, पंखे, वस्त्र, फल और अन्न का दान विशेष फलदायी माना जाता है। इस दिन गंगा स्तोत्र और गंगा चालीसा का पाठ भी किया जाता है।

भारतीय साहित्य और लोकजीवन में गंगा का विशेष स्थान है। कवियों और संतों ने गंगा को मोक्षदायिनी, पापहारिणी और जीवनदायिनी कहा है। तुलसीदास, कबीर, सूरदास और अन्य अनेक कवियों की रचनाओं में गंगा का उल्लेख मिलता है। लोकगीतों में गंगा माँ की महिमा का वर्णन आज भी सुनाई देता है। विवाह, जन्म, मृत्यु और अन्य संस्कारों में गंगाजल का प्रयोग शुभ माना जाता है। यह विश्वास भारतीय जनमानस में गहराई से जुड़ा हुआ है कि गंगाजल पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

गंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोग एक साथ पूजा और स्नान करते हैं। मेलों में लोक संस्कृति की झलक दिखाई देती है। ग्रामीण और शहरी जीवन के लोग समान रूप से इस पर्व में भाग लेते हैं। यह पर्व भारतीय समाज में सामूहिकता, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

वर्तमान समय में गंगा नदी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ता प्रदूषण, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरा और अवैज्ञानिक विकास कार्य गंगा की पवित्रता और अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। कई स्थानों पर गंगा का जल प्रदूषित हो चुका है जिससे जलीय जीवों और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। गंगा दशहरा का पर्व हमें यह भी संदेश देता है कि केवल पूजा और आस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास भी आवश्यक हैं।

सरकार और समाज द्वारा गंगा संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ चलाई गई हैं। घाटों की सफाई, सीवेज उपचार संयंत्र, वृक्षारोपण और जनजागरण अभियान जैसे कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है जब आम नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। नदियों में कचरा फेंकने, प्लास्टिक का उपयोग करने और जल को दूषित करने से बचना आवश्यक है। गंगा केवल धार्मिक धरोहर नहीं बल्कि प्राकृतिक संपदा भी है। इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गंगा दशहरा का आध्यात्मिक संदेश भी बहुत गहरा है। गंगा का अवतरण त्याग, तपस्या और लोककल्याण का प्रतीक माना जाता है। राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार और समाज के कल्याण के लिए कठिन तप किया था। यह कथा मनुष्य को निस्वार्थ कर्म और धैर्य की प्रेरणा देती है। भगवान शिव द्वारा गंगा को अपनी जटाओं में धारण करना संतुलन और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। यह संदेश देता है कि प्रकृति की शक्तियों का सम्मान और संतुलित उपयोग आवश्यक है।

आज के भौतिकवादी युग में गंगा दशहरा जैसे पर्व लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच यह पर्व मनुष्य को आध्यात्मिक शांति और आत्मिक संतुलन का अनुभव कराता है। गंगा तट पर होने वाली आरती, मंत्रोच्चार और दीपों की पंक्तियाँ मन को अद्भुत शांति प्रदान करती हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक अनुभव भी होता है।

गंगा दशहरा भारतीय संस्कृति की उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें प्रकृति को माता के रूप में पूजने की भावना निहित है। भारतीय सभ्यता ने सदैव नदियों, पर्वतों, वृक्षों और पृथ्वी को सम्मान दिया है। गंगा की पूजा वास्तव में जल और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जल ही जीवन है और उसका संरक्षण मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य है।

अंततः गंगा दशहरा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। इसमें आस्था, इतिहास, संस्कृति, पर्यावरण और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम दिखाई देता है। माँ गंगा भारतीय जनमानस में सदियों से श्रद्धा और विश्वास की धारा के रूप में प्रवाहित हो रही हैं। यह पर्व हमें पवित्रता, सेवा, त्याग और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। यदि हम गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति सचेत रहें तो यही गंगा दशहरा का सच्चा सम्मान होगा। गंगा की निर्मल धारा केवल जल नहीं बल्कि भारत की आत्मा है, जिसे सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

ठाणे में 'लेग्रैंड इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड एजुकेशन' का उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ग्रुप लेग्रैंड इंडिया ने आज ठाणे में 'लेग्रैंड इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड एजुकेशन' का उद्घाटन किया। यह महाराष्ट्र में कंपनी का पहला समर्पित प्रशिक्षण केंद्र है। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री, श्री एकनाथ शिंदे उपस्थित थे। साथ ही महाराष्ट्र सरकार के माननीय कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री, श्री मंगल प्रभात लोढ़ा तथा मुंबई में फ्रांस की उप-कांसुल, सुश्री एग्नेस सिल्वा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शान बढ़ाई।

कौशल विकास और युवा सशक्तिकरण के प्रति ग्रुप लेग्रैंड इंडिया की सामाजिक प्रतिबद्धता के तहत शुरू किए गए, इस प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य उद्योग के अनुकूल तकनीकी प्रतिभा को सशक्त करना और इलेक्ट्रिकल तथा संबंधित प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।राष्ट्रीय कौशल विकास निगम से मान्यता प्राप्त कार्यान्वयन एवं ज्ञान भागीदार, 'स्किलसोनिक्स' के सहयोग से विकसित, इस 8,000 वर्ग फुट के विश्व स्तरीय स्वतंत्र केंद्र को दसवी तथा बारवी के छात्रों, आईटीआई छात्रों, डिप्लोमा और इंजीनियरिंग छात्रों, तकनीशियनों तथा इलेक्ट्रीशियनों को उद्योग-उन्मुख तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह संस्थान तकनीकी और बाजार की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक शिक्षा, औद्योगिक अनुभव और रोजगार क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए पूरी तरह से निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करेगा। इस पहल से हर साल 1,000 से अधिक छात्रों

और इलेक्ट्रीशियनों को ट्रेनिंग देकर उनके हुनर को निखारा जाएगा। इससे भारत के तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और इलेक्ट्रिकल क्षेत्र के लिए कुशल कारीगरों और इंजीनियरों की कमी पूरी होगी। यह कदम ग्रुप लेग्रैंड इंडिया के सीएसआर कार्यक्रम को और मजबूत बनाता है, जो मुख्य रूप से पांच स्तंभों पर टिका है: शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कौशल विकास और आपदा राहत। कंपनी इसके जरिए देश भर के समाज और लोगों की भलाई के लिए बड़े स्तर पर काम कर रही है। इस अवसर पर बोलते हुए, ग्रुप लेग्रैंड इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक, टोनी बर्लैंड ने कहा, ठाणे में हमारे इस ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन, कौशल विकास के जरिए युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार के काबिल बनाने के लेग्रैंड के सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस पहल के माध्यम से, हमारा उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा को हर किसी तक पहुंचाना है। यह सेंटर छात्रों और इलेक्ट्रीशियनों को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करेगा, और साथ ही भारत में एक कुशल कार्यबल के निर्माण में बेहद महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर बोलते हुए, महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री, श्री एकनाथ शिंदे ने कहा, महाराष्ट्र सरकार उद्योगों के साथ साझेदारी और व्यावहारिक शिक्षा की पहलों के माध्यम से कौशल विकास को मजबूत करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है।

समरस फाउंडेशन ने किया गौरव उमेश तिवारी का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज सोइया, जौनपुर के ब्लॉक प्रमुख डॉ उमेश तिवारी के सुपुत्र गौरव तिवारी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह, महासचिव वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष माणिकचंद यादव, रामकृपाल शर्मा, पूरव गांधी,अनिल कनौजिया तथा शमशाद भाई उपस्थित रहे। देहरादून से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद गौरव तिवारी मुंबई में Waaree RTL में एसोसिएट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

सादगी के साथ मनाया गया वरिष्ठ पत्रकार जयवंत अहिरे का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र तक न्यूज के एडिटर इन चीफ (एम.डी.) एवं वरिष्ठ पत्रकार महाराष्ट्र राज्य जयवंत अहिरे जी का जन्मदिन रविवार 24 मई 2026 को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत टांकी नाका स्थित टीमा हॉल में बड़े ही सादगीपूर्ण माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन टीमा के पूर्व अध्यक्ष वेलजी भाई गोगरी की ओर से किया गया। वरिष्ठ पत्रकार जयवंत अहिरे अपनी सरलता, व्यवहार कुशलता, खुशमिजाजी, मजलूमों के चहेते और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशीलता के लिए पूरे पालघर जिले में किसी के परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस अवसर पर टीमा के पूर्व अध्यक्ष वेलजी भाई गोगरी सहित बुद्धिजीवियों, स्नेही मित्रों एवं पत्रकार साथियों ने उपस्थित होकर जयवंत अहिरे जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद, दीर्घायु एवं निरोगी जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त की। पत्रकारिता जगत में उनके योगदान हेतु सभी ने प्रशंसा की कार्यक्रम का माहौल आत्मीयता, सम्मान और सादगी से भरपूर रहा, जहां उपस्थित लोगों ने वरिष्ठ पत्रकार जयवंत अहिरे जी के व्यक्तित्व एवं कार्यों की सराहना की।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया डिविडेंड लीडर्स इंडेक्स पेंशन फंड

मुंबई/पटना। रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि आपने काम करना बंद करने के बाद भी आपका पैसा आपके लिए काम करता रहे। इसी ज़रूरत को पूरा करने के लिए, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने 'टाटा एआईए डिविडेंड लीडर्स इंडेक्स पेंशन फंड' लॉन्च किया है। भारत की सबसे ज्यादा डिविडेंड देने वाली मजबूत कंपनियों के जरिए लंबे समय में रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने में ग्राहकों की मदद करने के लिए इसे खास तौर पर डिजाइन किया गया है। यह फंड मार्केट से जुड़े निवेशों में मिलने वाले मुनाफे के साथ-साथ लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षा का भरोसा भी देता है। इस तरह, यह आर्थिक रूप से मजबूत और लगातार आगे बढ़ने वाली कंपनियों के माध्यम से रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए एक अनुशासित तरीका प्रदान करता है। यह फंड भारत की ऐसी 50 सबसे लगातार डिविडेंड देने वाली कंपनियों में निवेश करता है, जिन्होंने बाजार के हर उतार-चढ़ाव में अपने शेयरधारकों को फायदा पहुँचाया है। यह एक पैसिव इन्वेस्टमेंट का तरीका अपनाता है और आईआरडीएआई के नियमों के तहत 'बीएसई 500 डिविडेंड लीडर्स 50 इंडेक्स' को ट्रैक करता है। इसका पोर्टफोलियो किसी एक जगह केंद्रित या जोखिम भरे अवसरों के बजाय, बाजार की स्थापित और मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करता है। चूंकि ये कंपनियाँ डिविडेंड कमाकर देती हैं, इसलिए यह फंड उस पैसे को आपको अलग से बाँटने के बजाय वापस उसी पोर्टफोलियो में लगा देता है। लंबे समय में यह तरीका आपके लिए ज्यादा फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि इससे आपके मूल निवेश की बढ़त और दोबारा निवेश की गई कमाई, दोनों मिलकर रिटायरमेंट के लिए एक बड़ा फंड तैयार करते हैं। यह खूबी टाटा एआईए डिविडेंड लीडर्स इंडेक्स पेंशन फंड को एक पारंपरिक रिटायरमेंट निवेश विकल्प से कहीं बेहतर बनाती है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह उतार-चढ़ाव से निपटने वाली मजबूत भारतीय कंपनियों की बढ़त का फायदा उठा सके और साथ ही लंबे समय में मिलने वाले कंपाउंडिंग की ताकत का पूरा लाभ दे सके।

दानापुर के त्रिभुवन मोड़ में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेसी की नई शाखा शुरू

मुंबई/दानापुर। पटना के दानापुर स्थित त्रिभुवन मोड़ में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेसी के नए स्टोर का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री सुनील कुमार सिंह ने फीता काटकर स्टोर का उद्घाटन किया और इस पहल को स्थानीय लोगों के लिए उपयोगी एवं सुविधाजनक बताया। फ्रेंचाइजी ओनर श्री माणिक देव साह ने कहा कि इस स्टोर के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को अब ब्रांडेड और प्रमाणित दवाइयाँ उचित कीमत पर उपलब्ध होंगी, साथ ही ग्राहकों को बेहतर और पारदर्शी सेवा का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में राहुल कुमार तिवारी, ललन कुमार, राजा राम साह, गौतम कुमार एवं अमित प्रकाश उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने ई-मेडिक्स की आधुनिक फामेसी व्यवस्था और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं की सराहना की।

प्रिंसिपल संजय मिश्रा के पिता गणेश मिश्रा का निधन, श्रद्धांजलि देने पहुंचे लल्लन तिवारी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। श्री एल आर तिवारी डिग्री कॉलेज मीरा रोड के प्रिंसिपल संजय मिश्रा के पिता गणेश माखनलाल मिश्रा का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। आज सुबह अंत्येष्टि के पूर्व राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी, सीओओ उत्सव तिवारी ने देवी दर्शन टावर, भायंदर पश्चिम स्थित उनके आवास पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मीरा भायंदर महानगरपालिका परिवहन समिति सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, प्रोफेसर महेश काबरा, देवाशीष साहा, संतोष हुबाले, विकास तिवारी, ईगल बैंकर, सुशील सिंह, जैनेन्द्र पेंडेकर,भावेश सावंत, प्रवीण पांडे, नितिन जाधव, नरेंद्र दुबे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। राजस्थान के नवलगढ निवासी गणेश माखनलाल मिश्रा अत्यंत विनम्र उदार और धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति रहे। यही कारण था कि उनके निधन की खबर सुनते ही सभी शोकाकुल हो गए। उनके पुत्र संजय मिश्रा ने उन्हें मुखाग्नि दी।

बोईसर शहर के धनानी नगर में संगीतमयी श्रीराम कथा का भव्य आयोजन

वन गमन प्रसंग सुन भावुक हुए श्रोतागण

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पुरुषोत्तम मास (अधिक ज्येष्ठ माह) के पावन अवसर पर बोईसर शहर (पू.) स्थित धनानी नगर में आयोजित नव दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा में भक्तिभाव व श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिल रहा है। कथा रसिकों एवं श्रद्धालु भक्तजनों के लिए आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा रूपी अमृत का रसपान कर रहे हैं।

शनिवार शाम आयोजित कथा के षष्ठम दिवस पर कथा व्यास के रूप में उपस्थित परम पूज्य कथावाचक श्री राजन जी महाराज के कृपापात्र शिष्य पं. प्रमोद जी महाराज ने अयोध्या काण्ड के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। बाबा तुलसीदास की चौपाइयों के माध्यम से उन्होंने प्रभु श्रीराम समेत सभी भाइयों के विवाह उपरांत अयोध्या नगरी में छाये उल्लास, मंगलगीतों और उत्सवमय वातावरण का सुंदर चित्रण किया। कथा के दौरान भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारी, माता कैकयी द्वारा भरत के लिए राजगद्दी की मांग तथा श्रीराम के वन गमन के मार्मिक प्रसंग का अत्यंत प्रभावशाली वर्णन किया गया। वनवास

प्रसंग की वेदना, राजा दशरथ की व्यथा और राजपरिवार के दुःख का वर्णन सुनकर कथा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भावुक हो उठे। पं. प्रमोद महाराज ने आगे राम-केवट संवाद का प्रसंग सुनाते हुए केवट की निष्काम भक्ति, सेवा भावना और उसकी सहज चतुराई के माध्यम से भक्त एवं भगवान के अद्भुत संबंध को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं ने श्रद्धा एवं भावविभोर होकर सुना। कथा के षष्ठम दिवस पर बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, समाजसेवी, उद्योजक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी भक्तों ने भगवान श्रीराम की आरती में सहभागिता कर व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन पं. मनदेव दुबे ने किया, जबकि आगंतुक अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान उत्सव समिति के प्रमुख पं. सुशील तिवारी द्वारा किया गया।

भायंदर में भक्ति और श्रद्धा का उमड़ा सैलाब, चालो पिहरियो भजन संध्या में देर रात तक झूमे श्रद्धालु

मीरा भाईंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर पूर्व स्थित ओस्तवाल बगीचा, सप्तेश्वर मंदिर के निकट आर.एन.पी. पार्क परिसर में श्री रामा श्यामा सेवा ट्रस्ट द्वारा तृतीय वार्षिक महोत्सव बड़े ही भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया गया। म्हाने पिहरियो सो लागे खाटू धाम, चालो पिहरियो थीम पर आयोजित इस भव्य भजन संध्या में रविवार 24 मई 2026 को शाम 4:15 बजे से देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में खाटू श्याम बाबा के भजनों ने ऐसा समां बांधा कि उपस्थित श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूम उठे। भजन प्रवाहक आयुष सोमानी (जयपुर), हरिओम पारीक (मुंबई), यश

बिन्याला (मुंबई), सुमित शर्मा (मुंबई), हर्ष शर्मा (मुंबई) एवं शौरभ राठी (मुंबई) ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक फूल सज्जा और धार्मिक झांकियों से सजाया गया था। भजन संध्या के साथ-साथ छप्पन भोग, पुष्प वर्षा, भव्य दरबार एवं अखंड ज्योत का भी आयोजन किया गया, जिसका श्रद्धालुओं ने भावपूर्वक दर्शन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की विशेष व्यवस्था की गई थी। देर रात तक चले इस धार्मिक आयोजन में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खाटू श्याम बाबा के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। श्री रामा श्यामा सेवा ट्रस्टह्व के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय नागरिकों ने भी आयोजन की भव्यता और व्यवस्थाओं की सराहना की।

भिवंडी में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, शिवसेना कार्यालय में हुआ भव्य पुरस्कार वितरण समारोह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शिवसेना मध्यवर्ती कार्यालय स्थित बालासाहेब ठाकरे सभागृह में एच एस सी बोर्ड परीक्षा 2025-26 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य स्वागत, सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बालासाहेब ठाकरे जनशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भिवंडी पश्चिम विधानसभा शिवसेना शहर प्रमुख प्रदीप शंकर बोडके के नेतृत्व में आयोजित किया गया। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर

पर कुंदन पाटील, शहर प्रमुख पश्चिम प्रदीप बोडके, शहर प्रमुख पूर्व गजेंद्र गुळवी, नाना झळके, उमेश कोंडलेकर, महेंद्र कुंभारे, मनोज गंगे, दिलीप कोंडलेकर, गिरीष तेजे, प्रताप शिंदे, भाई वनंगे, मयुर, वैभव काठवले, राजा पुंन्याथी, नितेश धांडेकर एवं विशाल बोडके सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सौजन्य संस्थापक आरोग्य साथी फाउंडेशन द्वारा भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिवसैनिक मौजूद रहे। पूरे सभागृह में उत्साह, गर्व और प्रेरणा का वातावरण देखने को मिला।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक का विधायक नरेंद्र मेहता पर तीखा हमला

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में कथित फर्जी रिक्शा परमिट और बैच घोटाले को लेकर स्थानीय राजनीति गरमा गई है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधायक नरेंद्र मेहता के आरोपों का कड़ा खंडन करते हुए कहा कि परिवहन विभाग पर कीचड़ उछालने से पहले कम से कम प्रशासनिक प्रक्रिया का अध्ययन कर लेना चाहिए था।

विधायक नरेंद्र मेहता ने शिकायत की थी कि मीरा-भायंदर क्षेत्र में कुछ रिक्शा चालकों ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और निवास प्रमाण पत्र के आधार पर रिक्शा परमिट और आरटीओ बैच हासिल किए हैं। शिकायत के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने तत्काल उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे। मंत्री सरनाईक ने बताया कि आपले सरकार पोर्टल पर उपलब्ध तहसील कार्यालय के निवास प्रमाण पत्र, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट, आधार कार्ड पर दर्ज पते और ऑनलाइन बैच आवेदन सहित सभी दस्तावेजों की गहन जांच के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में परिवहन विभाग ने 13 अप्रैल 2026 को मीरा-भायंदर तहसीलदार कार्यालय को सत्यापन हेतु पत्र भेजा था।

इसके बाद 11 मई 2026 को प्राप्त रिपोर्ट में 28 लोगों के परमिट और दस्तावेजों को संदिग्ध बताया गया। मंत्री सरनाईक ने कहा कि इन 28 रिक्शा चालकों के परमिट तत्काल निलंबित करने का प्रस्ताव पिछले महीने ही सचिव स्तर पर अनुमोदन के लिए भेज दिया गया था।

मंत्री सरनाईक ने विधायक नरेंद्र मेहता के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, आरटीओ अथवा परिवहन विभाग का काम अन्य विभागों द्वारा जारी प्रमाण पत्रों और शपथ पत्रों के आधार पर परमिट जारी करना है। निवास प्रमाण पत्र राजस्व विभाग यानी तहसील कार्यालय द्वारा जारी किए जाते हैं, जबकि उनका सत्यापन गृह विभाग अर्थात पुलिस विभाग करता है। परिवहन विभाग इन्हीं अधिकृत दस्तावेजों के आधार पर कार्रवाई करता है। उन्होंने आगे कहा, परिवहन विभाग पर आरोप लगाने वालों को यह भी समझना चाहिए कि राज्य में गृह और राजस्व विभाग किसके अधीन हैं। बिना पूरी जानकारी के सतही आरोप लगाना पूरी तरह गलत है।

हालांकि मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए वे स्वयं मुख्यमंत्री तथा राजस्व मंत्री से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि गृह या राजस्व विभाग के किसी अधिकारी द्वारा फर्जी दस्तावेज जारी किए गए हैं तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी। साथ ही उन्होंने परिवहन आयुक्त को निर्देश देते हुए कहा कि यदि परिवहन विभाग अथवा आरटीओ के किसी अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है, तो उन्हें भी बख्शा नहीं जाएगा और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने 'रैपिड एआई रेडीनेस असेसमेंट' लॉन्च किया

मुंबई। फाइंडेबिलिटी साइंसेजने आज 'लैक्टाएआई डिस्कवरी एंड रेडीनेस असेसमेंट' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक सेल्फ-सर्व डायग्नोस्टिक टूल (स्वयं मूल्यांकन करने वाला टूल) है, जिसे विशेष रूप से डेयरी प्लांट के प्रबंधकों और लीडर्स के लिए तैयार किया गया है। इसकी मदद से वे महीनों लंबे चलने वाले पारंपरिक मूल्यांकन चक्र के बिना यह स्पष्ट रूप से जान सकेंगे कि एआई उनके प्लांट में कहाँ सटीक और मापने योग्य मूल्य प्रदान कर सकता है।

यह मूल्यांकन प्रक्रिया महीनों के बजाय चंद मिनटों में पूरी हो जाती है और ऑपरेशंस लीडर्स, प्लांट हेड्स तथा सीएक्सओ को मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण जवाब देती है: पहला, प्लांट में उपज, ऊर्जा, डाउनटाइम (कार्य रुकने का समय), गुणवत्ता और रिपोर्टिंग के स्तर पर मुनाफा कहाँ कम हो रहा है; दूसरा, क्या उनकी मौजूदा प्रणालियाँ – जैसे प्रोग्राम योग्य तर्क नियंत्रक, पर्यवेक्षी नियंत्रण एवं आंकड़ा संग्रह प्रणाली, विनिर्माण निष्पादन प्रणाली, उद्यम संसाधन नियोजन प्रणाली और प्रयोगशाला सूचना प्रबंधन प्रणाली – कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सहारा देने के लिए कितनी तैयार हैं; और तीसरा, सबसे तेज व स्पष्ट रिटर्न पाने के लिए उन्हें कहाँ से शुरूआत करनी चाहिए।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज के संस्थापक और सीईओ आनंद माहुरकर ने कहा, ₹ज्यादातर प्लांट हेड्स उन तीन जगहों के नाम आसानी से बता सकते हैं जहाँ उनका पैसा बर्बाद हो रहा है। लेकिन, वे इसे इतनी जल्दी साबित नहीं कर पाते कि उस पर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाया जा सके। हमारा यह असेसमेंट टूल महीनों के इस अंतर को चंद मिनटों में खत्म कर देता है। इसके इस्तेमाल के बाद एक प्लांट लीडर सटीक रूप से यह जान पाता है कि एआई सबसे पहले कहाँ बदलाव ला सकता है और उनका मौजूदा सिस्टम वास्तव में किस स्तर तक इस तकनीक का समर्थन कर सकता है। यह शुरूआत बेहद सही समय पर हुई है। दुनिया भर के डेयरी प्रोसेसर्स इस समय घटते मुनाफे, बढ़ती ऊर्जा लागत और जटिल होती जा रही सप्लाई चेन के दबाव से जूझ रहे हैं। एक रिपोर्ट (स्त्रोतः मोर्डर इंटेलिजेंस) के अनुसार, वैश्विक डेयरी प्रोसेसिंग उपकरण बाजार २०२५ के १२.७३ बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर २०३१ तक १७.३६ बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, क्योंकि ऑपरेटर्स अब अधिक स्मार्ट और उच्च-उपज वाले उत्पादन की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। 'लैक्टाएआई' को फाइंडेबिलिटी साइंसेज के 'डेटा-टू-डिसीजन गैप' (डेटा से निर्णय के बीच का अंतर) के सिद्धांत पर तैयार किया गया है।

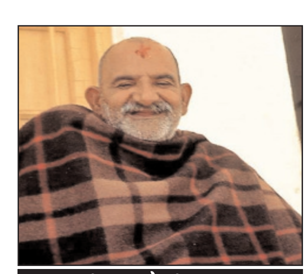

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

लखनऊ सड़क हादसे में जौनपुर के ऑडियोलॉजिस्ट की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मूल निवासी एवं उन्नाव जिला अस्पताल में तैनात ऑडियोलॉजिस्ट सुरेश कुमार पाल (40) की लखनऊ में सड़क हादसे के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार समेत पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बताया जा रहा है कि सुरेश कुमार पाल लखनऊ के तेलीबाग क्षेत्र में परिवार के साथ रहते थे और रोजाना उन्नाव जिला अस्पताल में अपनी सेवाएं देते थे। शनिवार सुबह वह वृंदावन कॉलोनी स्थित अपने निर्माणाधीन मकान से स्कूटी से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर पड़े पत्थर से उनकी स्कूटी टकरा गई और वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े।

हादसे में उनके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए पीजीआई ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम के बाद शनिवार देर शाम उनका शव पैतृक गांव शिवापार मुस्तफाबाद पहुंचा। शव पहुंचते ही गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। देर रात जौनपुर के रामघाट श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक अपने पीछे पत्नी श्वेता पाल, बेटी सैली और बड़े भाई अखिलेश पाल सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ऑनलाइन एडमिशन के नाम पर साइबर ठगी से रहें सावधान: डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर

फर्जी वेबसाइटों और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए छात्रों को बनाते है निशाना

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी ने जारी की एडवायजरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आने वाले नए शैक्षणिक सत्र के लिए देश भर में एडमिशन के नाम पर साइबर अपराधी तेजी से सक्रिय हो गए है। इंटरनेट, फेसबुक, टेलीग्राम, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आकर्षक विज्ञापन और लुभावने ऑफर देकर छात्रों और अभिभावकों को जाल में फंसाते है। प्रोसेसिंग फीस, सीट कन्फर्मेशन और विदेश में एडमिशन के नाम पर मोटी रकम वसूलने के बाद ठग गायब हो जाते हैं।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने बताया कि सोशल मीडिया पर दिखने वाले हर विज्ञापन और वेबसाइट पर भरोसा करना खतरनाक हो सकता है। कई साइबर ठग फर्जी वेबसाइट बनाकर उन्हें बिल्कुल असली संस्थानों जैसा रूप दे देते हैं। इनमें नामचीन विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की तस्वीरें लगाकर लोगों को भ्रमित किया जाता है।

डॉ.राठौर ने सचेत करते हुए कहा कि आजकल सीमित सीट, 100 प्रतिशत प्लेसमेंट, घर बैठे एडमिशन और विदेश में पढ़ाई का सुनहरा मौका जैसे आकर्षक संदेशों के जरिए छात्रों पर जल्दी फैसला लेने के लिए मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जाता है। कई बार छात्र बिना सत्यापन किए ही जल्दबाजी में फीस

जमा कर देते हैं और बाद में ठगी का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने अपील की है कि कभी भी टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप पर या एडमिशन के लिए आने वाले संदेशों के लिंक को क्लिक करके अपरिचित लोगों को पैसा ट्रांसफर न करें।

कहा कि किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पहले उसकी मान्यता की जांच जरूर करें। इसके लिए संबंधित विश्वविद्यालय, यूजीसी, आईसीटीई, पीसीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी देखना जरूरी है। इसके साथ ही केवल ऑनलाइन जानकारी के भरोसे पैसा ट्रांसफर न करें। संस्थान का ऑफलाइन सत्यापन जरूर करें और संभव हो तो वहां जाकर स्वयं जानकारी लें। दाखिले से पहले वहां पढ़ रहे छात्रों या पूर्व छात्रों से फीडबैक लेना बेहद मददगार होता है।

विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी ने बताया कि विदेश में पढ़ाई कराने के नाम पर भी फर्जी एजेंसियां सक्रिय हैं। ये खुद को अधिकृत एजेंट या काउंसलर बताकर एडवांस फीस लेती हैं, लेकिन वास्तविक प्रक्रिया के समय पूरा मामला फर्जी निकलता है।

इसके अलावा, ऑनलाइन कोर्स के नाम पर भी बड़े स्तर पर धोखाधड़ी हो रही है। विज्ञान, फार्मेसी और फिजियोथैरेपी जैसे व्यावहारिक पाठ्यक्रमों को पूरी तरह ऑनलाइन बताकर एडमिशन करा दिया जाता है, जबकि इनकी पढ़ाई बिना लैब और प्रैक्टिकल के ऑनलाइन संभव ही नहीं होती।

मॉर्डन कॉन्वेंट स्कूल को मिला "Academic Leadership Excellence Award", जौनपुर का बढ़ाया मान

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मनेछा, खेतासराय जनपद जौनपुर स्थित मॉर्डन कॉन्वेंट स्कूल ने शिक्षा एवं उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के क्षेत्र में एक और बड़ी

उपलब्धि हासिल करते हुए जनपद का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। प्रतिष्ठित समारोह में विद्यालय को "Academic Leadership Excellence Award" से सम्मानित किया गया।

राजधानी लखनऊ में आयोजित भव्य कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, शिक्षा विशेषज्ञों एवं समाजसेवियों की मौजूदगी रही। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता Raza Murad ने विद्यालय प्रबंधन को यह सम्मान प्रदान किया।

विद्यालय को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट नेतृत्व, आधुनिक शिक्षण व्यवस्था, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के आधार पर दिया गया। विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रभावी प्रबंधन की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर की गई।

इस उपलब्धि से जौनपुर सहित पूरे पूर्वांचल में खुशी की लहर है। विद्यालय प्रबंधन ने इस सम्मान का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों की लगन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। साथ ही भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

मॉर्डन कॉन्वेंट स्कूल की यह सफलता क्षेत्र के अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

सड़क किनारे अज्ञात युवक का शव पाए जाने से सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी अंतर्गत खर्गसेनपुर सोहनी नहर मार्ग पर सड़क किनारे रविवार कि सुबह एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र मे हलचल बढ़ गयी। ग्रामीणों ने 112 डायल पर पुलिस को सुचना दिए कि सोहनी खर्गसेनपुर मार्ग पर मुख्य सड़क से दो सौ मीटर सड़क किनारे नहर के पूरब पटरी पर एक मृत युवक पड़ा हुआ। घटना की सुचना पर स्थानीय पुलिस चौकी के एसआई संजय सिंह भी घटना स्थल पर पहुंच कर शव पाए जाने कि सुचना सीओ केराकत अजित सिंह चौहान और इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार पाण्डेय को दिए। घटना कि सुचना पर सभी अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। मौके पर भीड़ से शिनाख्त का प्रयास किया गया लेकिन कोई पहचान नहीं हो सकी। पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि अज्ञात मृतक युवक कि उम्र 28 वर्ष के करीब हैं चेहरे पर चोट के निशान हैं और चेहरा सुजा हुआ हैं। शरीर पर काले रंग का पैंट और काले रंग का टी शर्ट पड़ा रहा जेब कि तलाशी लेने पर बीड़ी और तम्बाकू पाया गया। अज्ञात युवक के शव को पुलिस ने कब्जे मे लेकर जिला अस्पताल के शव गृह भेज दिया।

लखनऊ की बेटी शिवानी त्रिवेदी का राष्ट्रीय स्तर पर जलवा, मिला बेस्ट स्कूल मैनेजमेंट अवार्ड

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की प्रतिभाशाली शिक्षाविद् शिवानी त्रिवेदी ने शिक्षा एवं सोशल मैनेजमेंट के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। राजधानी में आयोजित प्रतिष्ठित नेशनल आइकान अवार्ड्स समारोह में उन्हें "Best School Management Award" से सम्मानित किया गया।

इस भव्य समारोह में देशभर के शिक्षाविदों, संस्थान प्रमुखों एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता Raza Murad ने शिवानी त्रिवेदी को यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया।

शिवानी त्रिवेदी को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, बेहतर शैक्षणिक प्रबंधन तथा सामाजिक

नेतृत्व में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया। उनकी इस उपलब्धि से लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा और विद्यार्थियों के विश्वास का परिणाम है। साथ ही भविष्य में भी शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने का संकल्प दोहराया गया। शिवानी त्रिवेदी की यह सफलता युवा शिक्षाविदों और समाजसेवियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

नाली निकासी न होने से मानीकलां में नारकीय हालात, ग्रामीणों में आक्रोश

डॉ. इम्तियाज अहमद

मानीकलां,(जौनपुर)। विकास खंड सोधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां (गणेशनगर) में नाली की

समुचित निकासी न होने से ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग पर जलजमाव और कीचड़ के कारण सड़क की स्थिति बदहाल हो चुकी है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

यह सड़क मानीकलां को झांसेपुर तथा खेतासराय हाईवे से जोड़ती है, जिस पर प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है। सड़क पर फैले नाली के गंदे पानी के चलते दोपहिया वाहन चालक फिसलकर घायल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका।

ग्रामीण शुभम विद्यार्थी मोदनवाल एवं यशनाथ विश्वकर्मा ने बताया कि इस समस्या को लेकर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव को दो बार लिखित प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है। मंत्री ने मौके का निरीक्षण कर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन आज तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा इस जनहित के कार्य को विवादित बनाकर रोक दिया गया है। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार लोगों की उदासीनता से जनता में भारी नाराजगी व्याप्त है।

ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि नाली निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराया जाए, ताकि लोगों को जलजमाव और गंदगी से राहत मिल सके।

18 वर्षीय लापता युवती का शव कुएं में मिलने से मचा हड़कंप

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के धनुआ गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब 18 वर्षीय लापता युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के एक कुएं में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में भारी भीड़ जुट गई और परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि युवती बीते 22 मई से लापता थी, जिसकी तलाश परिजन लगातार कर रहे थे। काफी खोजबीन के बाद रविवार को गांव के कुएं में शव दिखाई देने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। फिलहाल युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और मातम का माहौल बना हुआ है।

दलित, पीड़ित, किसान और मजदूर आज अखिलेश यादव की तरफ उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीडीए भवन, कटघरा, जौनपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश का दलित, पीड़ित, किसान और मजदूर वर्ग आज अपने अधिकार, सम्मान और न्याय के लिए अखिलेश यादव की ओर आशा और विश्वास के साथ देख रहा है।

उन्होंने कहा कि पीडीए केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक बराबरी और संवैधानिक अधिकारों की एक मजबूत विचारधारा है। पीडीए का मतलब है – पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के साथ किसान, मजदूर और गरीब तबकों को विकास की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक स्थान देना।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज किसान बढ़ती लागत, फसल के उचित मूल्य की कमी, खाद-बीज संकट, सिंचाई की

समस्याओं और कर्ज. के बोझ से परेशान है। वहीं मजदूर वर्ग बेरोजगारी, कम मजदूरी, असुरक्षित कामकाजी माहौल और महंगाई की मार झेल रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव किसानों और मजदूरों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए कृत संकल्पित हैं।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर किसानों को फसल का लाभकारी मूल्य, मुफ्त सिंचाई, बिजली में राहत, समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा मजदूरों के लिए सम्मानजनक वेतन, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम किया जाएगा।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव सामाजिक न्याय और जनहित की निर्णायक लड़ाई होगा। दलित, पीड़ित, किसान और मजदूर एकजुट होकर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाएंगे और अन्याय, बेरोजगारी तथा शोषण की राजनीति को समाप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही वह ताकत है जो संविधान, लोकतंत्र और गरीब जनता के अधिकारों की सच्ची लड़ाई लड़ रही है।

ट्रेन के कोच में मिला शव, ऑनर किलिंग का खुलासा, पिता समेत तीन गिरफ्तार

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के कोच में नाबालिग लड़की के शव के टुकड़े मिलने के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार युवती की हत्या उसके पिता ने कथित तौर पर ऑनर किलिंग के तहत की थी। मामले में पिता, बहन और बहनोई की संलिप्तता सामने आने के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी पिता ने बताया कि उसकी दो बेटियां पहले ही हिंदू युवकों से शादी कर चुकी थीं, जबकि छोटी बेटी भी प्रेम विवाह की जिद कर रही थी। इसी बात को लेकर गांव में ताने मिलते थे, जिससे नाराज होकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। जांच में यह भी सामने आया कि हत्या के बाद शव के छह टुकड़े कर बॉक्स में रखा गया और उसे ट्रेन में ठिकाने लगाने की कोशिश की गई। 17 मई को छपरा-गोमती एक्सप्रेस के एस-1 कोच में सीट के नीचे रखे बॉक्स से शव के टुकड़े मिलने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से मजदूर की मौत, दूसरा गंभीर

◆ जौनपुर में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादपुर में रविवार सुबह तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आक्रोशित

ग्रामीणों ने शव को फोरलेन सड़क पर रखकर जाम लगा दिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, पट्टी दयाल गांव निवासी चंचल उर्फ अट्ठू और विनोद उर्फ नारद रोज की तरह मजदूरी के लिए बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान मुरादपुर स्थित विद्युत पावर हाउस के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चंचल उर्फ अट्ठू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विनोद गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। जाम के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। ग्रामीण आरोपी चालक की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। सूचना पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। हालात को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

मुफ्ती मोहल्ला में शोक की लहर:मोहम्मद मुस्लिम का हुआ इंतकाल, हर आंख हुई नम

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुफ्ती मोहल्ला निवासी एवं समाज के सम्मानित व्यक्ति मोहम्मद मुस्लिम के इंतकाल की खबर से पूरे इलाके में मातम का माहौल है। शनिवार देर रात उनके निधन की सूचना मिलते ही मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचकर परिजनों को सांत्वना देने लगे। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद मुस्लिम लगभग 40 वर्ष पूर्व मौजा गौसपुर, तहसील शाहगंज से जौनपुर आकर मुफ्ती मोहल्ला, हुमा मस्जिद के निकट बस गए थे। उन्होंने अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा और परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिए यहां रहकर मेहनत और ईमानदारी से जीवन व्यतीत किया। अपने सादगीपूर्ण जीवन, नेक अखलाक और मिलनसार स्वभाव के चलते मोहम्मद मुस्लिम समाज में काफी सम्मानित थे। वह हर सुख-दुख में लोगों के साथ खड़े रहने वाले इंसान के रूप में पहचाने जाते थे। दिनांक 23 मई 2026, शनिवार की रात्रि लगभग 11 बजे उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। अपने पीछे वह चार बेटों और एक बेटी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में गहरा दुख व्याप्त है। लोगों ने मरहूम के लिए दुआ-ए-मगफिरत करते हुए उन्हें जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता करने की दुआ की। अल्लाह तआला मरहूम की मगफिरत फरमाए। आमीन।

कम जमीन में आधुनिक खेती से रचा सफलता का नया इतिहास, प्रगतिशील किसान बने बृजेश कुमार पटेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड जलालपुर के ग्राम आदत शाहपुर कलां निवासी किसान बृजेश कुमार पटेल ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक सोच और विभागीय सहयोग के जरिए कम जमीन में भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। छोटी जोत और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने उद्यानिकी खेती अपनाकर न सिर्फ अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत की, बल्कि क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

इंटरमीडिएट शिक्षित बृजेश कुमार पटेल के पास कुल 0.506 हेक्टेयर कृषि भूमि है। पहले वे पारंपरिक तरीके से धान और गेहूं की खेती करते थे, लेकिन बढ़ती लागत और घटती आमदनी के कारण उन्हें आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। सिंचाई की समस्या और आधुनिक तकनीकी जानकारी के अभाव में खेती लाभकारी नहीं हो पा रही थी।

खेती में बदलाव का नया मोड़ तब आया जब उन्होंने अपने पिता के मार्गदर्शन में उद्यान विभाग से संपर्क किया। जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा द्वारा संचालित हाइटेक नर्सरी और उन्नत बीज वितरण योजनाओं की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने आधुनिक खेती की शुरूआत की। विभागीय प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग से प्रेरित होकर उन्होंने भिंडी की व्यावसायिक खेती शुरू की। इसके साथ ही कद्दू, टमाटर, करेला और बैंगन जैसी संकर सब्जियों की खेती भी अपनाई।

बृजेश कुमार पटेल ने वैज्ञानिक पद्धति से खेती करते हुए हाइटेक नर्सरी से प्राप्त स्वस्थ पौधों का उपयोग किया। उन्होंने बेड बनाकर रोपाई की तथा लाइन से लाइन की दूरी 30 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखकर खेती की। आधुनिक खरपतवार नियंत्रण तकनीक अपनाने से उत्पादन में भी वृद्धि हुई।

उन्होंने मात्र 10 बिस्वा भूमि पर लगभग 8 हजार रुपये की लागत लगाकर 60 दिनों में करीब 60 हजार रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। वर्तमान में भी भिंडी की तुड़ाई से लगभग 20 हजार रुपये अतिरिक्त लाभ मिलने की संभावना है। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा से प्राप्त पौधों की खेती से भी उन्हें करीब 20 हजार रुपये का अतिरिक्त लाभ हुआ है।

बृजेश कुमार पटेल का कहना है कि खेती में सफलता के लिए बड़ी जमीन नहीं, बल्कि नई सोच और सही तकनीक की जरूरत होती है। उन्होंने सीमित भूमि से लगभग एक लाख रुपये तक का लाभ अर्जित कर यह उदाहरण प्रस्तुत किया है कि आधुनिक खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती है।

उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि परंपरागत खेती के दायरे से बाहर निकलकर वैज्ञानिक और तकनीकी खेती अपनानी चाहिए। साथ ही उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन, उद्यान विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा को दिया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के कमिश्नरेट वाराणसी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को रामनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले से मुकदमा दर्ज था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत, पुलिस उपायुक्त काशी जोन एवं अपर पुलिस उपायुक्त के निर्देशन में थाना रामनगर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त सोनू प्रजापति पुत्र विजय शंकर प्रजापति, निवासी ग्राम अमरा खेड़ा, थाना रोहनिया, वाराणसी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की लिखित शिकायत के आधार पर थाना रामनगर में मुकदमा संख्या 0099/2026 धारा 64(2)/351(4)/352 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच और सर्विलांस टीम की मदद से पुलिस ने आरोपी को 23 मई 2026 को सेंट स्टेपन्स स्कूल के सामने, साहिबगंज, रामनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की उम्र लगभग 24 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस गिरफ्तारी में थाना रामनगर पुलिस टीम और सर्विलांस सेल की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है।

युद्धस्तर पर कराई जाए खराब हैंडपंपों की रिबोरिंग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पंचायत राज अधिकारी ने अवगत कराया है कि गर्मी तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के दृष्टिगत जनपद में समस्त विकास खण्डों में ऐसे सभी हैंडपंप, जिनकी मरम्मत हेतु आवेदन प्राप्त हो रहे है सभी को अभियान चलाते हुए ठीक करा लिया गया है, अवशेष को ठीक भी कराया जा रहा है। हैंडपंप रिबोर हेतु जो भी आवेदन प्राप्त है सभी की रिबोरिंग युद्धस्तर पर कराई जा रही है। पेयजल की समस्या के निराकरण

तथा सभी को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के दृष्टिगत एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शैलेंद्र विक्रम सिंह को नोडल नामित किया गया है तथा रमेश कनौजिया मो0 नंबर 9838080984, राजेंद्र कुमार मो0 नंबर 9919731998 तथा विनोद मोदनवाल मो0 नंबर 9838747472 की ड्यूटी लगाई गई है, जो किसी भी ग्राम पंचायत से पेयजल की समस्या तथा हैंडपंप मरम्मत की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल संबंधित को अवगत कराते हुए समस्या का निस्तारण कराएंगे। इसके साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत के सार्वजनिक स्थल एवं पंचायत भवनों पर निःशुल्क प्याऊ की भी व्यवस्था की गई है।

भाजपा गौरा मंडल की बैठक संपन्न, 2027 चुनाव को लेकर बनी रणनीति

बलरामपुर। बलरामपुर जनपद के गौरा मंडल में भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक शक्ति केंद्र गोपालपुर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता गौरा मंडल अध्यक्ष पांडव पासवान ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्ष पांडव पासवान के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहने तथा गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क बढ़ाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान संतोष कुमार, ग्राम सभा करमहना के प्रधान पहलाद यादव, मंडल पदाधिकारी सोनम निषाद सहित विशाल सिंह, सुरेश, मनोज एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती एवं आगामी चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शादी तय होने से नाराज युवक दे रहा जान से मारने की धमकी, पीड़िता ने पुलिस से मांगी सुरक्षा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के हाजी रफीपुर की रहने वाली एक युवती ने एक युवक पर लगातार फोन कर धमकी देने और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। परेशान होकर पीड़िता ने शाहगंज कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर सुरक्षा की गुहार लगाई है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, हाजी रफीकपुर की निवासी एक युवती की शादी कहीं और तय हो गई है। शादी तय होने की बात से नाराज होकर मजडीहा थाना शाहगंज का रहने वाला अमर बहादुर उसे लगातार परेशान कर रहा है। पीड़िता का आरोप है कि शादी तय होने की वजह से उक्त युवक उसे बार-बार फोन कर रहा है। फोन पर वह उसे न सिर्फ गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है, बल्कि उसे जान से मारने की धमकी भी दे चुका है। इस लगातार मिल रही प्रताड़ना और धमकी से पीड़िता और उसका परिवार बेहद डरा और सहमा हुआ है। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस से लिखित अनुरोध किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उक्त युवक के खिलाफ तत्काल उचित कानूनी कार्रवाई की जाए और उसे तथा उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। हालांकि इस सम्बंध में पूछे जाने प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने कहा की मैं अभी बाहर हूँ। मामले की जानकारी नही है।

घर में घुसकर युवती से अभद्रता और मारपीट का आरोप, पुलिस को दी तहरीर

एक पक्ष ने मनबढ़ों पर लगाया घर में घुसने व धमकी देने का आरोप, पुलिस मामले की जांच में जुटी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोहल्ला भादी (अम्बेडकर नगर) में बीती रात दो पक्षों के बीच उपजे विवाद में एक युवती से अभद्रता और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजन चन्द्रसेन ने क्षेत्र के ही कुछ मनबढ़ों पर घर में घुसकर दुर्व्यवहार करने और विरोध करने पर मारपीट का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी है। पुलिस मामले की सत्यता की जांच कर रही है। कोतवाली में दी गई तहरीर के अनुसार, पीड़ित परिवार का आरोप है कि शनिवार रात करीब 10 बजे जब वे अपने घर में सो रहे थे, तभी पड़ोस के कुछ मनबढ़ युवक जबरन उनके परिसर में दाखिल हो गए। आरोप है कि उक्त युवकों ने बरामदे में सो रही युवती के साथ अभद्रता की और विरोध करने पर उसके कपड़े फाड़ दिए। युवती की चीख-पुकार सुनकर जब परिजन उसे बचाने दौड़े, तो आरोपियों के पक्ष के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। हंगामा बढ़ने पर आस-पड़ोस के लोगों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि घटना के बाद आरोपी पक्ष के लोग उन्हें पुलिस में शिकायत न करने और ऐसा करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देकर चले गए। इस घटनाक्रम के बाद से पीड़ित परिवार ने असुरक्षा और भय व्यक्त किया है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए और परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए।

लखनऊ गैंगरेप कांड में जौनपुर कनेक्शन, जलालपुर का युवक मुख्य आरोपी

चारबाग स्टेशन पर ट्रेन से उतारकर युवती को बनाया बंधक, तीन दिन तक होता रहा दुष्कर्म

जौनपुर / लखनऊ (उत्तरशक्ति)। दिल्ली में वढरउ की तैयारी कर रही जौनपुर की एक युवती के साथ लखनऊ में सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता के बयान पर दिल्ली के आनंद विहार थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई, जिसे बाद में लखनऊ ट्रांसफर कर दिया गया। मामले में जौनपुर के जलालपुर निवासी शिवम यादव को मुख्य आरोपी बनाया गया है। पुलिस की पांच टीमें आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह 15 मई को जौनपुर से सुहेलदेव एक्सप्रेस द्वारा दिल्ली लौट रही थी। उसके पिता ने उसे जाफराबाद स्टेशन पर ट्रेन में बैठाया था। ट्रेन में सफर के दौरान उसने अपने परिचित शिवम यादव को व्हाट्सएप पर मैसेज किया। चार साल से परिचित शिवम अपने साथी शनि यादव के साथ लखनऊ के चारबाग स्टेशन पहुंचा और युवती को बार-बार कहकर ट्रेन से उतार लिया।

आरोप है कि शिवम युवती को सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में मेदांता अस्पताल के पास स्थित अपने कमरे पर ले गया। वहां कॉफी में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोश कर दुष्कर्म किया। अगले दिन शिवम का साथी शनि यादव भी कमरे पर पहुंचा और उसने भी युवती के साथ जबरदस्ती की। पीड़िता के अनुसार 17 मई को एक अन्य युवक भी वहां पहुंचा, जिसके बाद तीनों आरोपियों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे कमरे में बंद कर रखते थे। बाहर जाते समय दरवाजे पर ताला लगा देते थे ताकि वह भाग न सके। तीन दिन तक लगातार शोषण के बाद आरोपी युवती को उसी सुहेलदेव एक्सप्रेस से दिल्ली भेज दिए। ट्रेन में बैठने के बाद डरी-सहमी युवती ने हिम्मत जुटाकर परिजनों को पूरी घटना बताई। परिजनों ने रेलवे हेल्पलाइन 139 पर सूचना दी, जिसके बाद ऋश्ढ ने युवती से संपर्क किया। बाद में आनंद विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। एडीसीपी साउथ के अनुसार, दिल्ली में दर्ज मुकदमा लखनऊ ट्रांसफर हुआ है। जांच में पता चला है कि पीड़िता और मुख्य आरोपी एक-दूसरे को करीब पांच साल से जानते थे तथा दोनों परिवारों में रिश्तेदारी भी है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

बंद मकान में चोरी, 20 लाख के जेवरात व 25 हजार नकद पर हाथ साफ

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के मडौली नई बस्ती में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों की चोरी की घटना को अंजाम दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मडौली नई बस्ती निवासी अनिल कुमार के बंद मकान में अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया और लगभग 20 लाख रुपये के जेवरात सहित 25 हजार रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया।बताया जा रहा है कि मकान बंद होने का फायदा उठाकर चोर घर में घुसे और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी होने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।स्थानीय लोगों में घटना को लेकर दहशत का माहौल है और पुलिस से जल्द खुलासे की मांग की जा रही है।

छात्रों के मसीहा डॉ. मिथिलेश कुमार बिंद दे रहे हैं नि:शुल्क शिक्षा

भदोही। प्रयागराज जनपद के ग्राम सभा हरिचंदपुर भीटी, हंडिया निवासी डॉ. मिथिलेश कुमार बिंद, जो स्वरूप रानी हॉस्पिटल प्रयागराज में चर्म रोग विशेषज्ञ के पद पर कार्यरत हैं, इन दिनों पूरे भदोही जनपद में चर्चा का विषय बने हुए हैं। समाजसेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उनके सराहनीय कार्यों की हर ओर प्रशंसा हो रही है।

डॉ. मिथिलेश कुमार बिंद द्वारा संचालित ह्लममता चैरिटेबल ट्रस्ट एंड स्किन केयर हॉस्पिटलह्व, सुभाष नगर भदोही के प्रांगण में प्रत्येक वर्ष लगभग 100 बच्चों के लिए ह्लसुपर 25ह्व क्लासेस का संचालन किया जाता है, जहां विद्यार्थियों को नीट परीक्षा की निशुल्क तैयारी कराई जाती है। इस अभियान में स्वयं डॉ. बिंद के साथ प्रशिक्षित प्रोफेसर एवं डॉक्टर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

बीएसवीएस न्यूज को दिए गए साक्षात्कार में डॉ. मिथिलेश कुमार बिंद ने बताया कि उनका उद्देश्य जौनपुर, प्रयागराज, भदोही, वाराणसी और मिजार्पुर जैसे शहरों में ह्लसुपर 25ह्व प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कर अधिक से अधिक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। बच्चों के भविष्य एवं देश निर्माण में उनके योगदान को देखते हुए बहुचर्चित संगठन ह्लबिंद समाज विकास संघह्व ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर बच्चों को मेडल प्रदान किए तथा डॉ. मिथिलेश कुमार बिंद को संघ की ओर से स्मृति चिन्ह स्वरूप दीवार घड़ी भेंट कर सम्मानित किया।

संघ के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार घड़ी निरंतर चलती रहती है और समय के महत्व को दर्शाती है, उसी प्रकार डॉ. मिथिलेश कुमार बिंद भी बिना रुके, बिना थके और बिना हिम्मत हारे बच्चों के भविष्य निर्माण में निरंतर कार्य करते रहें।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शेषधर बिंद, सूरत गुजरात प्रदेश अध्यक्ष फूलचंद बिंद, सूरत महासचिव दीनानाथ बिंद, सूरत प्रवक्ता गुलाब चंद्र बिंद, सूरत युवासेना अध्यक्ष सुरेश कुमार बिंद, बीएसवीएस न्यूज रिपोर्टर अरविंद बिंद, भदोही जिला अध्यक्ष डॉ. रमाशंकर बिंद, जिला सलाहकार डॉ. हरिश्चंद्र बिंद, संगठन मंत्री मोहनलाल बिंद, युवासेना संगठन मंत्री राज बिहारी बिंद, उदल कुमार बिंद, बसंत लाल मौर्य, सुभाष बिंद एवं गोरेलाल बिंद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भोपाल में NSUI का प्रदर्शन, गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उठी मांग

भोपाल (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में छात्रसंघ चुनाव बहाल कराने की मांग को लेकर NSUI कार्यकताओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने गाय के पोस्टर को माला पहनाकर सम्मान दिया और गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करो के नारे लगाए। इस दौरान भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि वर्षों से गाय के नाम पर राजनीति की जा रही है, लेकिन अब तक गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि आज शहरों और गांवों में गायों की स्थिति बेहद खराब है। कई जगह गायें सड़कों पर भटकती और कचरे के ढेर से भोजन करती दिखाई देती हैं, लेकिन उनकी देखभाल को लेकर गंभीर प्रयास नहीं हो रहे हैं। कार्यकताओं ने मांग की कि गौ संरक्षण को राजनीति से ऊपर उठाकर प्रभावी नीतियां बनाई जाएं और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने पर सरकार स्पष्ट रुख अपनाए।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा जनसंपर्क अभियान तेज

मुंबई। उत्तर मुंबई लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की मुंबई अध्यक्ष योजना ठोकले ने अपनी पूरी टीम के साथ जनसंपर्क अभियान को तेज कर दिया है। इस अभियान के तहत महिला मोर्चा की टीम हर वार्ड, हर बूथ और हर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचकर महिलाओं से संपर्क साध रही है तथा केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचा रही है।

योजना ठोकले ने कहा कि महिला मोर्चा का उद्देश्य केवल योजनाओं का प्रचार करना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। इसके लिए महिलाओं को रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि हर महिला अपने पैरों पर खड़ी हो सके और समाज में मजबूत भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना सशक्त महिला, सशक्त समाज और आत्मनिर्भर भारतह्व को साकार करना महिला मोर्चा की प्राथमिकता है। पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की भागीदारी बढ़े और वे नेतृत्व की भूमिका निभाएं, इसी संकल्प के साथ महिला मोर्चा मुंबई की टीम लगातार प्रवास कर रही है। योजना ताई के नेतृत्व में महिला मोर्चा की टीम उत्तर मुंबई लोकसभा क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा में पहुंचकर महिलाओं को संगठित करने और उन्हें सरकार की योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है।

पिता और पत्नी के अवैध संबंधों से तंग युवक बना कातिल, बुलंदशहर में डबल मर्डर से सनसनी

बुलंदशहर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद बुलंदशहर के कलंदरगढ़ी गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने अपने पिता और पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि आरोपी मोमिन अपनी पत्नी सना और पिता रियाजुद्दीन के बीच कथित अवैध संबंधों को लेकर लंबे समय से परेशान था। इसी बात को लेकर घर में आए दिन विवाद और कलह होती रहती थी। मृतक रियाजुद्दीन की उम्र करीब 50 वर्ष जबकि सना की उम्र महज 22 साल बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, पारिवारिक तनाव से तंग आकर मोमिन ने गुस्से में आकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले को लेकर एसएसपी बुलंदशहर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर पशुतस्कर गिरफ्तार

आजमगढ़। कप्तानगंज पुलिस और बदमाशों के बीच शुक्रवार देर रात हुई मुठभेड़ में गोकशी की घटना में वांछित एक गोतस्कर आरिफ उर्फ फुसी घायल हो गया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। घायल बदमाश के कब्जे से तमंचा, कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी हिस्ट्रीशीटर होने के साथ गोवध, चोरी और गैंगस्टर एक्ट समेत कई मामलों में वांछित बताया गया है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में थाना कप्तानगंज पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

वाराणसीनमो घाट की मौत और काशी का मौन : जब सुरक्षा के हाथों कुचली जाए इंसानियत

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी घाटों से लेकर बड़े आयोजनों और कई सार्वजनिक स्थलों तक निजी बाउंसरों की मौजूदगी तेजी से बढ़ी है। सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर कई जगह इनकी भूमिका भी बढ़ी है। हालांकि सवाल यह उठने लगा है कि क्या कहीं यह व्यवस्था नियंत्रण से आगे जाकर भय का कारण तो नहीं बन रही? शहर में चचाएं यह भी हैं कि अनुशासन और कठोरता के बीच की सीमा कई बार धुंधली होती दिखाई देती है। काशी पूछ रही है... ? क्या सुरक्षा के नाम पर शक्ति प्रदर्शन का लाइसेंस बांटा जा रहा है? क्या कानून अब वर्दी या निजी ड्रेस देखकर बदल जाएगा? क्या पहले उठी शिकायतों पर समय रहते ध्यान दिया गया होता तो यह घटना टल सकती थी? क्या घाटों पर आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक सुरक्षित महसूस कर रहे हैं? काशी की पहचान श्रद्धा से है, भय से नहीं

काशी केवल एक शहर नहीं है। यह भारत की आत्मा है, सभ्यता की चेतना है और वह आस्था है जहां आने वाला हर व्यक्ति अपने भीतर एक शांति लेकर लौटने की उम्मीद करता है। यहां आने वाला पर्यटक केवल घाट नहीं देखता, वह संस्कृति देखता है; वह मंदिरों के शिखर नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक विरासत का दर्शन करता है।

लेकिन जब इसी काशी में सुरक्षा के नाम पर खड़े लोग किसी युवक को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दें, तब सवाल केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता, बल्कि समाज की संवेदनशीलता और प्रशासनिक व्यवस्था की आत्मा पर भी उठता है। नमो घाट पर हुई कथित बर्बर पिटाई और उसमें एक युवक की मौत ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। आरोप है कि मामूली विवाद के बाद एक पर्यटक को निजी सुरक्षा गार्डों और बाउंसरों ने हॉकी, रॉड और डंडों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी जान चली गई। यदि यह आरोप जांच में पूरी तरह सही साबित होते हैं तो यह केवल हत्या नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का ऐसा उदाहरण होगा, जिसने काशी के चेहरे पर एक गहरा दाग लगा दिया है। यह घटना कई ऐसे सवाल छोड़ गई है जिन्हें केवल पुलिसिया कार्रवाई से शांत नहीं किया जा सकता। चार लोगों की गिरफ्तारी निश्चित रूप से कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन क्या केवल कुछ गिरफ्तारियां उस मानसिकता को समाप्त कर देंगी, जो सुरक्षा की आड़ में शक्ति प्रदर्शन को अधिकार समझने लगती है?

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि सुरक्षा और आतंक के बीच की रेखा आखिर इतनी धुंधली कैसे होती जा रही है? सुरक्षा कर्मियों का कार्य व्यवस्था बनाए रखना, लोगों की रक्षा करना और अनुशासन स्थापित करना होता है। लेकिन जब वही लोग कथित तौर पर कानून हाथ में लेकर दंड देने लगें, तब स्थिति खतरनाक हो जाती है।

कानून किसी व्यक्ति, समूह या निजी संस्था को यह अधिकार नहीं देता कि वह मौके पर ही फैसला करे और सजा भी सुना दे। वास्तविक चिंता का विषय यह है कि वाराणसी में ऐसी घटनाओं की चर्चा पहली बार नहीं हो रही। घाटों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निजी बाउंसरों और सुरक्षा कर्मियों के व्यवहार को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। कई लोगों ने कथित तौर पर दुर्व्यवहार, दबंगई और मारपीट जैसे आरोप लगाए हैं। यदि लगातार शिकायतें उठ रही थीं, तो क्या उन पर गंभीरता से ध्यान दिया गया? यदि पहले ही कठोर कार्रवाई होती तो क्या आज एक परिवार का बेटा जीवित होता?

आज आधुनिकता की चमक में शहर तेजी से बदल रहे हैं।

वाराणसी भी स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के माध्यम से नई पहचान बना रहा है। चौड़ी सड़कें, सुंदर घाट, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था और आधुनिक सुविधाएं शहर के विकास का संकेत हैं। लेकिन विकास केवल सीमेंट, पत्थर और रोशनी से नहीं मापा जाता। किसी भी शहर की वास्तविक पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा, संवेदनशीलता और व्यवस्था के मानवीय स्वरूप से बनती है। यदि किसी स्थान पर जाने वाला व्यक्ति यह सोचने लगे कि वहां अपराधियों से नहीं, बल्कि सुरक्षा के नाम पर खड़े लोगों से डरना पड़ेगा, तो यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। सुरक्षा का अर्थ भय पैदा करना नहीं, बल्कि विश्वास पैदा करना है। जब विश्वास टूटता है तो केवल एक घटना नहीं होती, बल्कि पूरे तंत्र की साख पर प्रश्नचिह्न लग जाता है।

इस घटना का एक सामाजिक पक्ष भी है, जो कहीं अधिक दर्दनाक है। जिस युवक की जान गई, वह किसी बड़े परिवार या प्रभावशाली पृष्ठभूमि से नहीं था। बताया जा रहा है कि वह सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। घर की जिम्मेदारियां उसके कंधों पर थीं। एक सामान्य परिवार का बेटा कुछ दोस्तों के साथ घूमने निकला था, लेकिन घर लौटने के बजाय उसकी अर्थी लौट आई। यह केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि एक परिवार के सपनों की मृत्यु भी है। इस समय आवश्यकता केवल अपराधियों को पकड़ने की नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की समीक्षा करने की है। निजी सुरक्षा एजेंसियों के चयन, प्रशिक्षण, जवाबदेही और अधिकारों की स्पष्ट सीमाएं तय होनी चाहिए। सार्वजनिक स्थलों पर तैनात कर्मियों के लिए आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जाना चाहिए। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने की छूट न मिले।

काशी की पहचान भय से नहीं, विश्वास से बनी है। यह शहर मृत्यु को भी मोक्ष का दर्शन देने वाला माना जाता है, लेकिन यदि यहां जीवन ही असुरक्षित हो जाए तो यह चिंता केवल प्रशासन की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। नमो घाट की यह घटना केवल एक अपराध की कहानी नहीं है। यह चेतावनी है कि यदि शक्ति और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बिगड़ जाए, तो सुरक्षा भी कभी-कभी भय का दूसरा नाम बन सकती है। और यदि समाज इस पर मौन रहा, तो कल यह प्रश्न किसी और घाट, किसी और सड़क और किसी और परिवार के सामने खड़ा हो सकता है।

नमो घाट पर हुई घटना के बाद घाटों पर आने वाले लोगों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा सुरक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि कथित तौर पर बढ़ती दबंगई की सुनाई दी। कई लोगों का कहना है कि घाटों पर तैनात कुछ निजी सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार कई बार जरूरत से अधिक आक्रामक दिखाई देता है। लोगों का कहना है कि श्रद्धालुओं को निर्देश देने और उनके साथ व्यवहार करने के तरीके पर गंभीर प्रश्न खड़े होते रहे हैं। एक स्थानीय युवक ने कहा, सुरक्षा जरूरी है, लेकिन सुरक्षा के नाम पर किसी को अपमानित करने या डराने का अधिकार किसी को नहीं होना चाहिए।

वाराणसी में घाटों, आयोजनों और कई सार्वजनिक स्थलों पर बड़ी संख्या में निजी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मचारी तैनात हैं। सवाल यह उठ रहा है कि इन कर्मियों को किस प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है? क्या उन्हें भीड़ नियंत्रण और संवाद की तकनीक सिखाई जाती है या केवल शक्ति प्रदर्शन ही व्यवस्था का माध्यम बनता जा रहा है? विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा कर्मी और कानून लागू करने वाली एजेंसियां अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाती हैं। निजी सुरक्षा का काम व्यवस्था बनाए रखना है, कानून हाथ में लेना नहीं।

सोनभद्र के गांव में जैसे ही राजेश उर्फ चिंटू की मौत की सूचना पहुंची, पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया। बताया जा रहा है कि वह परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी संभालता था। रोज सब्जी बेचकर घर चलाने वाला युवक दोस्तों के साथ घूमने निकला था, लेकिन वापस लौटा तो शव बनकर। परिवार के लोगों की आंखों में एक ही सवाल था – घूमने गया बेटा आखिर किस अपराध की सजा लेकर लौटा?

बढ़ती मांग को पूरा करने और निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इंडियनऑइल रविवार को भी संचालन में सक्रिय

मुंबई। महाराष्ट्र और आम जनता की चौबीसों घंटे सेवा करने के उद्देश्य के साथ इंडियनऑइल ने आज रविवार को, जो सामान्यतः साप्ताहिक अवकाश का दिन होता है, अपने डिपो और टर्मिनलों का संचालन जारी रखा है।

कई क्षेत्रों में ईंधन की मांग में तेज वृद्धि के बीच पेट्रोल (MS), डीजल (HSD) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इंडियनऑइल लगातार स्टॉक की स्थिति की समीक्षा कर रहा है तथा बढ़ी हुई मांग की स्थिति को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए लॉजिस्टिक्स और वितरण योजना पर करीबी समन्वय बनाए हुए है। आपूर्ति टीमें, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन और चुनिंदा रिटेल आउटलेट्स 24x7 कार्यरत हैं ताकि "We are always There"की भावना के अनुरूप निर्बाध उत्पाद आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

नागरिकों से सामान्य खरीदारी व्यवहार बनाए रखने और अनावश्यक घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की गई है। उपभोक्ताओं से यह भी अनुरोध किया गया है कि ईंधन उपलब्धता से संबंधित सही जानकारी के लिए केवल अधिकृत एजेंसियों और इंडियनऑइल द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।